শৰ্মা হাৰ্ডওৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in | हिंदी दैनिक | गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 181 | गुवाहाटी | शनिवार, 1 फरवरी, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

राज्य सरकार ने भूमि संबंधी मुद्दों के समाधान के लिए नया डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च किया पेज 2
असम सरकार ने डॉक्टरों से अस्पतालों में उपलब्ध दवाएं लिखने को कहा पेज 3
महाकुंभ आए हैरी पॉटर बोले, अब जाकर जाना आखिर क्यों है भारत इतना महान पेज 5
लीजेंड 90 क्रिकेट लीग में नजर आएंगे धवन, रैना और टेलर सहित कई दिग्गज पेज 7

बजट आज

मध्यम वर्ग को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद

नई दिल्ली। 1 फरवरी 2025 को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आम बजट पेश करेंगी। सुबह 11 बजे वित्त मंत्री का भाषण शुरु होगा। यह बजट खास होने वाला है क्योंकि यह उनका लगातार आठवां बजट होगा, जिससे वह इतिहास रचने की ओर बढ़ रही हैं। बजट 2025-26 से मध्यम वर्ग और व्यापार जगत को कई उम्मीदें हैं, खासकर टैक्स छूट, महंगाई पर राहत और विकास योजनाओं को लेकर। इस बार का बजट 50 लाख करोड़ रुपए से अधिक का हो सकता है, जो सरकार के सामने एक बड़ी चुनौती है। सरकार को राजकोषीय घाटे को काबू में रखते हुए अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए सही दिशा में निवेश करना होगा। निर्मला सीतारमण और उनकी टीम के सामने सबसे बड़ी चुनौती विकास को गति देना और राजकोषीय घाटे को जीडीपी के 4.5 प्रतिशत के नीचे बनाए रखना है। बजट तैयार करने में वित्त सचिव, आर्थिक मामलों के सचिव, व्यय सचिव, दीपम सचिव, वित्तीय सेवा सचिव और मुख्य आर्थिक सलाहकार का अहम योगदान होगा। इस बार बजट पेश करने के साथ ही निर्मला सीतारमण मोरारजी देसाई के रिकॉर्ड के करीब पहुंच जाएंगी, जिन्होंने अब तक 10 बजट पेश किए थे। वह भारत की पहली पूर्णकालिक महिला वित्त मंत्री हैं और 2019 से अब तक लगातार 7 बजट पेश कर चुकी हैं।

राष्ट्रपति ने संसद को किया संबोधित, कहा–

तीसरे कार्यकाल में तीन गुना गति से काम, एक साथ चुनाव और वक्फ पर कदम आगे बढ़े

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को संसद में सरकार की उपलब्धियों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के इस तीसरे कार्यकाल में तीन गुना गति से काम हो रहा है। इस दौरान *एक राष्ट्र, एक चुनाव* और वक्फ (संशोधन) विधेयक जैसे कानूनों पर तेज गति से कदम आगे बढ़ाया गया है। उन्होंने बजट सत्र के पहले दिन संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि भारत की विकास यात्रा के इस अमृतकाल को सरकार अभूतपूर्व उपलब्धियों के माध्यम से नई ऊर्जा दे रही है। एक राष्ट्र, एक चुनाव से संबंधित दो विधेयकों पर इन दिनों संसद की एक संयुक्त समिति विचार कर रही है। वहीं वक्फ संशोधन विधेयक पर विचार करने वाली संयुक्त संसदीय समिति ने अपनी रिपोर्ट लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सौंप दी है। संबंधित विधेयक इस बजट सत्र के लिए सूचीबद्ध किया गया है। राष्ट्रपति के मुताबिक, सरकार के प्रयासों के कारण देश के 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने युवाओं की शिक्षा और उनके लिए रोजगार के नए अवसर तैयार करने पर विशेष जोर दिया है। राष्ट्रपति ने आठवें वेतन आयोग के गठन का उल्लेख करते हुए कहा कि यह केंद्र सरकार के -शेष पृष्ठ दो पर

पुअर लेडी... मुश्किल से बोल पा रही थीं : सोनिया

नई दिल्ली। शुक्रवार को संसद के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संबोधन पर कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी की प्रतिक्रिया ने विवाद को जन्म दे दिया। उन्होंने कहा कि *राष्ट्रपति मुश्किल से बोल पा रही थीं, बेचारी।* सोनिया गांधी ने संवाददाताओं से कहा कि अंत तक राष्ट्रपति बहुत थक चुकी थीं... वे मुश्किल से बोल पा रही थीं, बेचारी। राष्ट्रपति मुर्मू के संबोधन से बजट सत्र की शुरुआत हुई। इस बात पर जोर देते हुए कि सरकार सर्वांगीण विकास पर काम कर रही है, राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि देश का एक ही लक्ष्य है, विकसित भारत बनना और सरकार *संतृप्ति दृष्टिकोण* के साथ काम कर रही है, ताकि इस यात्रा में कोई भी पीछे न छूटे। मुर्मू ने कहा कि मेरी सरकार संतृप्ति -शेष पृष्ठ दो पर

राष्ट्रपति को लेकर टिप्पणी पर भड़के पीएम मोदी, कहा–

यह आदिवासी भाई बहनों का अपमान है

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने शुक्रवार को संसद के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संबोधन पर अपनी प्रतिक्रिया देकर विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा कि अंत तक राष्ट्रपति बहुत थक गई थीं...वह मुश्किल से बोल पा रही थीं, बेचारी। अब सोनिया के इसी बयान को लेकर भाजपा उनपर हमलावर हो गई है। भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सोनिया गांधी की ओर से राष्ट्रपति मुर्मू के लिए की गई एक टिप्पणी को लेकर उनकी कड़ी निंदा की और मांग की कि वह राष्ट्रपति तथा भारत के आदिवासी -शेष पृष्ठ दो पर

राष्ट्रपति का अपमान सहन नहीं करेंगे देशवासी : सैकिया

गुवाहाटी (हि.स.)। कांग्रेस देश की राष्ट्रपति को भी अपमानित करने से बाज नहीं आई। कांग्रेस ने देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद के प्रति सम्मान नहीं दिखाया, जैसा कि शुक्रवार को सोनिया गांधी के बयान से स्पष्ट हुआ। आज संसद के संयुक्त सत्र में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को *दुर्बल महिला* कहकर अपमानित किया, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। असम प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने सोनिया गांधी और कांग्रेस पार्टी की इस अपमानजनक टिप्पणी की कड़ी निंदा की और उनसे माफी मांगने की मांग की। दिलीप सैकिया ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

राज्य सरकार ने भूमि संबंधी मुद्दों के समाधान के लिए नया डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च किया

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली असम सरकार ने राजस्व न्यायालय मामला प्रबंधन प्रणाली (आरसीसीएमएस) नामक एक नया डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है। इस प्रणाली का उद्देश्य भूमि से संबंधित अपील दायर करना और विवादों को आसान और तेज बनाना है। आरसीसीएमएस को इस प्रक्रिया को और अधिक खुला और उपयोग में आसान बनाने के लिए शुरू किया गया है। यह लोगों को भूमि से संबंधित अपील ऑनलाइन प्रस्तुत करने की सुविधा देता है, ताकि उन्हें सरकारी कार्यालयों में जाने की आवश्यकता न पड़े। इस प्रणाली से देरी को कम करने, काम को तेजी से करने और भूमि विवादों को और अधिक तेजी से हल करने में मदद मिलेगी। इस डिजिटल प्लेटफॉर्म के लागू होने से उपयोगकर्ता

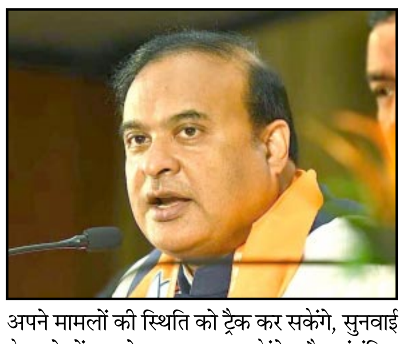

अपने मामलों की स्थिति को ट्रैक कर सकेंगे, सुनवाई के बारे में अपडेट प्राप्त कर सकेंगे और संबंधित दस्तावेजों तक सहजता से पहुंच सकेंगे। इस प्रणाली से बेहतर केस प्रबंधन सुनिश्चित करके और लंबित मामलों के बैकलॉग को कम करके राजस्व न्यायालयों के कामकाज को मजबूत करने की भी उम्मीद है। इस बीच, आज सुबह असम के स्वास्थ्य मंत्री अशोक सिंघल ने कहा कि सरकारी अस्पतालों में दवाओं के वितरण को सुचारू बनाने के लिए 15 फरवरी से एक समर्पित व्हाट्सएप हेल्पलाइन शुरू की जाएगी। यह कदम राज्य भर में मरीजों को परेशान करने वाली दवाओं की लंबे समय से चली आ रही कमी को दूर करने के उपाय के रूप में उठाया गया है। हाल ही में श्रीभूमि सिविल अस्पताल का दौरा करने के दौरान मंत्री सिंघल ने आवश्यक दवाओं की उपलब्धता जानने के लिए मरीजों से मुलाकात की। फीडबैक से एक परेशान करने वाली प्रवृत्ति सामने आई जिसमें मरीजों को निजी फार्मेसियों से दवाइयां खरीदनी पड़ती हैं, जबकि सरकार मुफ्त आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता जताती है।

मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने राष्ट्रपति के अभिभाषण की सराहना की

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 31 जनवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संसदीय अभिभाषण की प्रशंसा की, जिसमें पूर्वोत्तर के विकास के लिए उनके दृष्टिकोण और अवैध आव्रजन से निपटने की प्रतिबद्धता पर जोर दिया गया। शर्मा ने सोशल मीडिया पर लिखा कि संसद में राष्ट्रपति जी का संबोधन व्यापक, प्रासंगिक और आकांक्षापूर्ण था। इसमें विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए आवश्यक तत्व मौजूद थे। मुझे लगा कि नवाचार और एआई को बढ़ावा देने पर उनका तीखा ध्यान आज के वैश्विक संदर्भ में बेहद प्रासंगिक है। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से क्षेत्रीय विकास पर प्रशासन के निरंतर जोर पर प्रकाश डाला और कहा कि मोदी सरकार का पूर्वोत्तर की क्षमता का दोहन करने, अवैध आव्रजन की समस्या से निपटने और हमारी सांस्कृतिक विरासत को पुन: प्राप्त करने के प्रयासों पर निरंतर जोर देना भी उल्लेखनीय है। राष्ट्रपति मुर्मू ने बजट सत्र के उपलक्ष्य में आयोजित संयुक्त संसदीय सत्र में बोलते हुए, पहले अष्टलक्ष्मी महोत्सव के आयोजन पर प्रकाश डालते हुए पूर्वोत्तर पर इस फोकस को मजबूत किया, जिसे सभी आठ पूर्वोत्तर राज्यों की क्षमता को प्रदर्शित करने के लिए डिजाइन किया गया था। राष्ट्रपति ने *विकसित भारत* के लिए सरकार के व्यापक दृष्टिकोण को रेखांकित किया, जिसमें समावेशी विकास सुनिश्चित करने के लिए *संतृप्ति दृष्टिकोण* पर जोर दिया गया। उन्होंने कई प्रमुख उपलब्धियों का ब्यौरा दिया, जिसमें उधमपुर-श्रीनगर-बारामुल्ला रेलवे लिंक का पूरा होना शामिल है, जो अब कश्मीर को कन्याकुमारी से रेल द्वारा जोड़ता है। प्रौद्योगिकी और सुरक्षा के मुद्दे पर, मुर्मू ने भारत एआई मिशन की शुरुआत की घोषणा की, जिसका उद्देश्य देश को वैश्विक नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित करना है। उन्होंने बढ़ती तकनीकी चुनौतियों को भी संबोधित किया, वैश्विक साइबर सुरक्षा सूचकांक में भारत की टियर 1 स्थिति की उपलब्धि और डिजिटल धोखाधड़ी, साइबर अपराध और डीपफेक खतरों से निपटने के प्रयासों का उल्लेख किया। राष्ट्रपति ने स्वास्थ्य सेवा में उल्लेखनीय प्रगति पर प्रकाश डाला, जिसमें देश भर में 1.75 लाख *आरोग्य मंदिर* सुविधाओं की स्थापना और विभिन्न कैंसर दवाओं पर सीमा शुल्क हटाने का उल्लेख किया गया।

पूसीरे ने दो नए विद्युतीकृत सेक्शनों में विद्युत इंजन का किया सफल ट्रायल

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) अपने बिजलीकरण मिशन में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है। इसका लक्ष्य सतत विकास के प्रति प्रतिबद्ध भारतीय रेल को पूर्ण विद्युतीकृत और जीरो-कार्बन रेल नेटवर्क बनाना है। दिसंबर, 2024 तक, पूसीरे ने लगभग 2,828 रूट किलोमीटर (आरकेएम) का सफलतापूर्वक बिजलीकरण किया है, जो क्षेत्र में लगभग 70 प्रतिशत बिजलीकरण कार्यों की पर्याप्त प्रगति को दर्शाता है। इसका उद्देश्य पूसीरे के रेल नेटवर्क में कार्बन उत्सर्जन को कम करना और परिचालनिक दक्षता को बढ़ाना है। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कपिंजल किशोर शर्मा ने आज एक बयान में बताया है कि अतिरिक्त सेक्शनों में इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन को चालू करने की दिशा में एक बड़ी प्रगति हुई है। पूसीरे के दो सेक्शनों पर इलेक्ट्रिक लोको का सफल ट्रायल किया गया। 29 जनवरी, 2025 को लमडिंग मंडल में अगरतला-सबरूम सेक्शन (112.91 आरकेएम) के बीच तथा 30 और 31 जनवरी को अलीपुरद्वार मंडल में न्यू कोचबिहार-बामनहाट सेक्शन (49.81 आरकेएम) के बीच सफल परीक्षण किया गया। दोनों परीक्षण अधिकतम सेक्शनल स्पीड पर किए गए।

चुनाव से पहले आप को बड़ा झटका

सात विधायकों ने पार्टी से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए 5 फरवरी को वोटिंग होगी। इससे पहले, आम आदमी पार्टी (आप) के सात विधायकों ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। सबसे पहले महरौली के विधायक नरेश यादव ने भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए पार्टी से इस्तीफा दिया था। इसके बाद सात और विधायकों ने पार्टी छोड़ने का एलान कर दिया। इसमें जनकपुरी के विधायक राजेश ऋषि, पालम से भावना गौड़, बिजवासन से बीएस जून, आदर्श नगर से पवन शर्मा, कस्तूरबा नगर से मदनलाल, त्रिलोकपुरी से रोहित महरौलिया शामिल हैं। सभी विधायक इस चुनाव में टिकट कटने से नाराज चल रहे थे। चिट्ठी में नरेश यादव ने लिखा था कि आम आदमी पार्टी का उदय भ्रष्टाचार के खिलाफ हुए अन्ना आंदोलन से भारतीय राजनीति से भ्रष्टाचार के मुक्त करने के लिए हुआ था, लेकिन अब मैं बहुत दुखी हूं कि आम आदमी

पार्टी भ्रष्टाचार बिल्कुल भी कम नहीं कर पाई, बल्कि आम आदमी पार्टी ही भ्रष्टाचार के दलदल में लिप्त हो चुकी है। राजेश ऋषि ने लिखा कि अन्ना आंदोलन से जन्मी, भ्रष्टाचार मुक्त दिल्ली बनाने के लिए अरविंद केजरीवाल द्वारा बनाई गई आम आदमी पार्टी जो अब भ्रष्टाचार युक्त पार्टी बन गई है जिसे में बड़े दुखी मन के साथ पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे रहा हूं। इन विधायकों ने दिया इस्तीफा- पालम- भावना गौड़, बिजवासन- बीएस जून, आदर्श नगर- पवन शर्मा, कस्तूरबा नगर- मदनलाल, जनकपुरी- राजेश ऋषि, त्रिलोकपुरी- रोहित मेहरौलिया, महरौली- नरेश यादव।

हमारे पाठ्यक्रम से बाहर हो सकती हैं ट्रंप की कुछ नीतियां : जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों पर भारत का रुख साफ किया। उन्होंने कहा कि ट्रंप की कुछ नीतियां भारत के पाठ्यक्रम से बाहर हो सकती हैं। लेकिन हम अपने राष्ट्रीय हित को महत्व देंगे। दिल्ली विवि के एक कॉलेज में कार्यक्रम के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रवादी हैं। वैश्विक स्तर पर भारत का प्रभाव बढ़ रहा है। मैं हाल ही में अमेरिका के नए राष्ट्रपति ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में गया था। हमें वहां अच्छा व्यवहार और सम्मान मिला। उन्होंने कहा कि ट्रंप की नीतियां वैश्विक मामलों में अहम बदलाव ला सकती हैं, लेकिन हमारी विदेशी नीति राष्ट्रीय हित पर आधारित होगी। विदेश मंत्री ने कहा कि हां यह सही बात है कि ट्रंप कई चीजों में बदलाव करेंगे। लेकिन हो सकता है कि कुछ चीजें हमारे पाठ्यक्रम से बाहर हों। इसलिए हमें अपनी विदेश नीति को पाठ्यक्रम से बाहर चलाना होगा। जो हमारे राष्ट्रीय हित में होगा। उन्होंने कहा कि कुछ मुद्दों पर हम अलग हो सकते हैं। मगर कई क्षेत्र ऐसे हैं जो हमारे दायरे में होंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ हमारे संबंध मजबूत हैं। पीएम मोदी के ट्रंप के साथ अच्छे व्यक्तिगत रिश्ते हैं।

गोलीबारी की घटना के बाद असम-नगालैंड सीमा पर तनाव बढ़ा

जोरहाट। असम-नगालैंड सीमा पर शुक्रवार की रात गोलीबारी की घटना सामने आई है, जिससे इलाके के स्थानीय लोग सदमे में हैं। यह घटना मरियानी के गभोरू पहाड़ियों में एक चाय बागान में घटी। सूत्रों के अनुसार, इलाके के लोग गोली की आवाज सुनकर जाग गए। घटना के बाद वन अधिकारियों ने मामले से संबंधित कोई भी सबूत ढूंढने के लिए तुरंत क्षेत्र में जांच शुरू कर दी। हालांकि, रात के समय उन्हें कुछ नहीं मिला,

जिसके कारण उन्होंने तड़के जांच शुरू की। एक वन अधिकारी ने बताया कि हमें स्थानीय लोगों से फोन आया और हम तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। लेकिन अंधेरा होने के कारण हमें कुछ नहीं मिला और अब हमने खाली गोलियों के खोल खोजने के लिए एक और तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। पिछले कुछ दिनों से असम-नगालैंड सीमा पर स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है तथा हाल ही में पड़ोसी राज्य नगालैंड के निवासियों द्वारा भूमि पर कथित अतिक्रमण की खबरें भी सामने आई हैं। वन अधिकारी ने कहा कि हमने क्षेत्र में चल रही वर्तमान स्थिति के बारे में सुना है, लेकिन बिना किसी ठोस सबूत के हम यह नहीं बता सकते कि वास्तव में क्या हुआ है। दूसरी ओर, क्षेत्र के एक स्थानीय व्यक्ति ने घटना की भयावहता बताते हुए कहा कि गोलीबारी संभवत: नगा लोगों द्वारा की गई होगी। एक स्थानीय व्यक्ति ने बताया कि हो सकता है कि गोलीबारी नगा लोगों ने की हो। हमें रातें इस डर में गुजारनी पड़ती हैं कि कब सीमावर्ती इलाके में ऐसी कोई और घटना हो जाए। इस बीच, पुलिस मौके पर पहुंच गई है और मामले की जांच शुरू कर दी है। इससे पहले, 20 जनवरी को जोरहाट के सेलेंग हाट क्षेत्र में उस समय माहौल गरमा गया जब निवासियों ने पड़ोसी राज्य नगालैंड के निवासियों द्वारा भूमि पर कथित अतिक्रमण को लेकर चिंता व्यक्त की। स्थानीय लोगों का दावा है कि नगालैंड के निकटवर्ती सीमावर्ती झुग्गी-झोपड़ियों से आए नगा लोगों ने जोरहाट के मरियानी क्षेत्र में तिरु हिल्स रिजर्व वन के बड़े हिस्से को साफ कर दिया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि हथियारों से लैस नगा समूहों ने क्षेत्र के निवासियों को धमकाया है तथा आसपास के राजस्व गांवों पर अतिक्रमण जारी रखा है।

जोराबाट क्रॉसिंग पर ड्रग्स तस्करी के दो आरोपी गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। जोराबाट क्रॉसिंग पर पुलिस ने ड्रग्स तस्करी के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि मिली गुप्त सूचना के आधार पर, गुवाहाटी के बशिष्ठ थाना अंतर्गत जोराबाट आउटपोस्ट की ईजीपीडी टीम ने जोराबाट क्रॉसिंग पर दोनों ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान लिबियन बोडो (18) और जूलियस माजाव (23) के रूप में हुई है। दोनों बर्नीहाट के निवासी हैं। उनके कब्जे से 17 वायल हेरोइन (22.7 ग्राम), दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।

मणिपुर में ईसाइयों, तमिलनाडु में तमिलों और मुस्लिमों को भड़का रहा एसएफजे : एजेंसी

नई दिल्ली। मणिपुर हिंसा में अमेरिकी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू के आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) की खातरनाक साजिश का खुलासा हुआ है। खुफिया एजेंसियों की जांच में सामने आया है कि एसएफजे ने मणिपुर में लोगों को अलगाववाद के बारे में उकसाया है। खुफिया एजेंसियों के मुताबिक पन्नू के संगठन ने मणिपुर में ईसाइयों, तमिलनाडु में तमिलों और देशभर में मुसलमानों को भारत के खिलाफ उकसाने की साजिश रची। सिख फॉर जस्टिस पर 2020 में भारत सरकार ने प्रतिबंध लगा दिया था। अब सरकार ने यह प्रतिबंध पांच साल और बढ़ा दिया है। 2020 में गुरपतवंत सिंह पन्नू को सरकार ने आतंकी घोषित किया था। खुफिया एजेंसियों के नोट में कहा गया कि सिख फॉर जस्टिस ने पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को धमकी देने के अलावा आतंकी गतिविधियों में भी शामिल रहा है। एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक खुफिया एजेंसियों ने कहा कि एसएफजे अल्पसंख्यक समुदायों को अन्य समुदायों के खिलाफ भड़काकर लोगों को बांटना चाहता है। संगठन अपने भारत विरोधी एजेंडे को आगे बढ़ाने में इसका एक हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है। सिख फॉर जस्टिस मणिपुर में ईसाइयों को भारत के खिलाफ भड़का रहा है। तमिलनाडु में तमिलों को द्रविड़स्तान के प्रति उकसाने में जुटा है। देशभर में अल्पसंख्यक उत्पीड़न की बात करके मुस्लिमों को भी बरगलाने की कोशिश। जांच में सामने आया है कि संगठन मुसलमानों को अलग उर्दूस्तान बनाने के बारे में भड़का रहा है। खुफिया एजेंसियों की जांच में सामने आया है कि आतंकी पन्नू का संगठन कृषि कानूनों के खिलाफ पंजाब और हरियाणा में किसानों को भी भड़काने में जुटा रहा है। अल्पसंख्यक समुदाय के अलावा एसएफजे देशभर में वंचित समाज को भी कथित उत्पीड़न के आधार पर उकसाने की कोशिश में जुटा है। मणिपुर में हिंसा मुख्य रूप से कुकी और मैतेई समुदाय के बीच भड़की है। अधिकांश मैतेई हिंदू हैं। वहीं कुकी जनजाति ईसाई है। अब खुफिया एजेंसियों की जांच में मणिपुर में एसएफजे की साजिश का खुलासा हुआ।

पृष्ठ एक का शेष

तीसरे कार्यकाल में ...

कर्मचारियों के वेतन में बड़ी वृद्धि का आधार बनेगा। राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से विद्यार्थियों के लिए आधुनिक शिक्षा प्रणाली तैयार कर रही है। सरकार ने युवाओं की शिक्षा और उनके लिए रोजगार के नए अवसर तैयार करने पर विशेष ध्यान केंद्रित किया है। सहकारी क्षेत्र के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए उठाए गए विभिन्न कदमों के फलस्वरूप रोजगार के अनेक अवसर सृजित हो रहे हैं। राष्ट्रपति ने साइबर सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार साइबर सुरक्षा में दक्षता सुनिश्चित करने की दिशा में निरंतर कार्यरत है। उन्होंने कहा कि भारत में आधुनिक और आत्मनिर्भर कृषि व्यवस्था हमारा लक्ष्य है। सरकार किसानों को फसलों का उचित दाम दिलाने और आय बढ़ाने के लिए समर्पित भाव से काम कर रही है। यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस) लेनदेन प्रणाली की सफलता का भी उल्लेख किया।

पुअर लेडी... मुश्किल...

दृष्टिकोण के साथ काम कर रही है, ताकि विकसित भारत की यात्रा में कोई भी पीछे न छूटे... हमारा एक ही लक्ष्य है, विकसित भारत बनना। मेड इन इंडिया रक्षा उत्पाद के वैश्विक होने पर राष्ट्रपति ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम उठाने के लिए सरकार की सराहना की। उन्होंने कहा कि देश ने देश की सीमाओं की रक्षा और आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई ऐतिहासिक कदम उठाए हैं... सरकार ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में भी कदम उठाए हैं। मेक इन इंडिया से हम मेक फॉर द वर्ल्ड की ओर बढ़ चुके हैं... उधमपुर-श्रीनगर-बारामुल्ला लिंक रेलवे परियोजना के पूरा होने के बाद राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि अब भारत कश्मीर से कन्याकुमारी तक रेलवे लाइन से जुड़ जाएगा। राष्ट्रपति ने कहा कि उधमपुर-श्रीनगर-बारामुल्ला रेल लिंक परियोजना पूरी हो गई है और अब देश कश्मीर से कन्याकुमारी तक रेलवे लाइन से जुड़ जाएगा। भारत का मेट्रो रेल नेटवर्क अब 1000 किलोमीटर के मील के पत्थर को पार कर गया है। भारत के पास दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क है। पूर्वोत्तर राज्यों के विकास के लिए सरकार के प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि पूरे देश को पूर्वोत्तर के आठ राज्यों की क्षमता देखने में सक्षम बनाने के लिए, पहला अष्टलक्ष्मी महोत्सव आयोजित किया गया था। राष्ट्रपति मुर्मू ने देश में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में सरकार के कदम को रेखांकित करते हुए कहा कि सभी नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए देश में 1.75 लाख *आरोग्य मंदिर* स्थापित किए गए हैं। कैंसर रोगियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए, कई कैंसर दवाओं पर सीमा शुल्क माफ कर दिया गया है। दुनिया में तकनीकी चुनौतियों के बीच उन्होंने कहा कि मेरी सरकार साइबर सुरक्षा में दक्षता सुनिश्चित करने की दिशा में लगातार काम कर रही है। डिजिटल धोखाधड़ी, साइबर अपराध और डीपफेक सामाजिक, वित्तीय और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौतियां हैं। भारत ने वैश्विक साइबर सुरक्षा सूचकांक में टियर 1 का दर्जा प्राप्त किया है... पिछले दशक में, भारत ने बुनियादी ढांचे में कई मील के पत्थर हासिल किए हैं। राष्ट्रपति ने व्यवसायों को प्रोत्साहित करने के लिए वित्त मंत्रालय के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि एमएसएमई के लिए ऋण गारंटी योजना और ई-कॉमर्स निर्यात केंद्र देश के सभी क्षेत्रों में व्यापार को प्रोत्साहित कर रहे हैं। राष्ट्रपति ने भारत की

यह आदिवासी भाई...

समुदायों से बिना शर्त माफी मांगें। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बिना नाम लिए सोनिया गांधी पर निशाना साधा है। दिल्ली में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस और आपदा दोनों अहंकार की पराकाष्ठा के प्रतीक हैं। ये आप-दा वाले खुद को दिल्ली का मालिक बताते हैं। तो वहीं कांग्रेस वाले खुद को देश का मालिक समझते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शाही परिवार का अहंकार आज देश ने फिर देखा है। आज हमारी सम्मानीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद को संबोधित किया। उन्होंने देशवासियों की उपलब्धियों के बारे में बताया, विकसित भारत के विजन के बारे में बताया। मोदी ने कहा कि हिंदी उनकी मातृभाषा नहीं है, फिर भी उन्होंने बहुत ही बेहतरीन भाषण दिया, लेकिन कांग्रेस का शाही परिवार उनके अपमान पर उतर आया है। शाही परिवार के एक सदस्य ने कहा कि आदिवासी बेटी ने बोरिंग भाषण दिया। दूसरी सदस्य तो इससे भी एक कदम आगे बढ़ गई। उन्होंने राष्ट्रपति जी को पुअर थिंग कहा, गरीब कहा, चीज कहा, थकी हुई कहा। ये देश के आदिवासी भाई-बहनों का अपमान है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण के बाद सोनिया गांधी द्वारा की गई एक टिप्पणी को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के हमले पर पलटवार करते हुए शुक्रवार को कहा कि उनकी मां राष्ट्रपति का बहुत सम्मान करती हैं तथा उनकी बातों को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया है। उन्होंने कहा कि मेरी मां 78 साल की एक बुजुर्ग महिला हैं। उन्होंने सिर्फ यह कहा कि राष्ट्रपति इतना लंबा भाषण पढ़कर थक गई होंगी। वह महिलाओं का बहुत सम्मान करती हैं। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि मीडिया ने इसे तोड़-मरोड़कर पेश किया।

राष्ट्रपति का अपमान ...

द्वारा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के भाषण को *बोरिंग* कहने से यह साफ हो गया कि वह संसद को मनोरंजन का स्रोत मानते हैं। इसके अलावा, इंडी अलायंस के सांसद पप्पू यादव ने भी राष्ट्रपति के भाषण को *प्रेम पत्र* कहा, जिससे उनके भ्रष्ट मानसिकता का पर्दाफाश हुआ। सैकिया ने कहा कि कांग्रेस का द्रौपदी मुर्मू के साथ बुरा व्यवहार पहली बार नहीं हुआ है। 2024 के संविधान दिवस के संयुक्त सत्र में राहुल गांधी ने राष्ट्रपति को शुभकामनाएं तक नहीं दीं। चूंकि, वह जनजातीय समुदाय से हैं, राहुल गांधी ने पहले द्रौपदी मुर्मू पर राम मंदिर में प्रवेश पर रोक लगाए जाने का आरोप लगाया था। बाद में, अगले साल उन्होंने राम मंदिर के भव्य आरती में भाग लिया। वहीं, 2022 में कांग्रेस नेता अजय कुमार ने भी राष्ट्रपति मुर्मू का अपमान करते हुए उन्हें *दुष्ट विचारधारा* का प्रतिनिधि कहा था। कांग्रेस नेता डॉ. चौधुरी ने भी उन्हें *राष्ट्रपत्नी* कहकर तंज कसा था। इसके अलावा, इंडी अलायंस के प्रमुख साझीदार तृणमूल कांग्रेस के मंत्री अखिल गिरी ने द्रौपदी मुर्मू की शारीरिक संरचना और सुंदरता पर अपमानजनक टिप्पणी की थी। इस तरह से कांग्रेस ने बार-बार देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद का अपमान किया है, जो लोकतांत्रिक प्रणाली के लिए एक खतरे को दर्शाता है।

किन्नर अखाड़े ने ममता कुलकर्णी को महामंडलेश्व पद से हटाया

महाकुंभनगर। 31 जनवरी को किन्नर अखाड़े के संस्थापक ऋषि अजय दास ने एक बड़ा कदम उठाते हुए ममता कुलकर्णी और लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी को महामंडलेश्वर पद से हटा दिया। यह विवाद तब शुरू हुआ जब ममता कुलकर्णी को महाकुंभ में 24 जनवरी को महामंडलेश्वर की उपाधि दी गई और उनका नया नाम *श्री यामाई ममता नंदिनी गिरी* रखा गया। ममता कुलकर्णी, जो एक अभिनेत्री रह चुकी हैं, को किन्नर अखाड़े के महामंडलेश्वर बनाने पर कई साधु-संतों और अन्य अखाड़ों ने आपत्ति जताई। किन्नर अखाड़े के संस्थापक अजय दास ने यह आरोप लगाया कि ममता कुलकर्णी का फिल्मी बैकग्राउंड और उनके खिलाफ देशद्रोह के आरोप इस पद के लिए उचित नहीं हैं। अजय दास के अनुसार, किन्नर अखाड़े का महामंडलेश्वर पद एक ऐसे व्यक्ति के लिए होना चाहिए जो लंबे समय से आध्यात्मिक जीवन जीता हो और जो इस पद की परंपरा और सिद्धांतों को समझता हो। ऋषि अजय दास ने किन्नर अखाड़े की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने ममता कुलकर्णी को बिना किसी धार्मिक परंपरा को मानते हुए महामंडलेश्वर पद दे दिया, जो किन्नर अखाड़े के सिद्धांतों के खिलाफ है। इसलिए, मैंने उन्हें इस पद से मुक्त करने का फैसला लिया। अजय दास का कहना था कि ममता कुलकर्णी को यह उपाधि बिना किसी वैराग्य के दी गई, जो किन्नर अखाड़े की परंपराओं के खिलाफ था। लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने इस निर्णय पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि अजय दास को किन्नर अखाड़े से निकाल दिया गया है और अब उनका इस अखाड़े में कोई स्थान नहीं है। इसके अलावा, किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर मां पवित्रा नंद गिरी ने भी इस फैसले पर अपनी नाराजगी जाहिर की।

कनैमारा में पुलिस छापामारी में एक गिरफ्तार

दक्षिण सालमारा (हिंस)। दक्षिण सालमारा-मानकाचर जिले के कनैमारा में पुलिस छापामारी में एक आरोपी को ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि एडिशनल एसपी (मुख्यालय) और केबीडी ओपी स्टाफ के नेतृत्व में कनैमारा पार्ट-1 में एंटी-नारकोटिक्स छापेमारी की गई। इस दौरान एक व्यक्ति को 2.33 ग्राम हेरोइन, 1,400 याबा टैबलेट और ड्रग्स तस्करी से जुड़ी सामग्री के साथ गिरफ्तार किया गया। कानून के तहत आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

भाजपा ने लोकसभा चुनाव के लिए खर्च किए 1737 करोड़, ईसी को सौंपी रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए 1,737.68 करोड़ रुपए खर्च किए। भारत के चुनाव आयोग को पार्टी द्वारा प्रस्तुत व्यय रिपोर्ट में इसका खुलासा किया गया है। चुनाव आयोग को दिए गए रिपोर्ट में पार्टी की ओर से बताया गया है कि व्यय कुल राशियों में से 884.45 करोड़ रुपए पार्टी की ओर से चुनाव में किए गए प्रचार पर खर्च किए गए। वहीं 853.23 करोड़ रुपए

उम्मीदवारों को खर्च के लिए आवंटित किए गए। चुनाव आयोग को दिए रिपोर्ट में भाजपा ने बताया कि कुल राशि में मीडिया विज्ञापनों पर करीब 611.50 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। जिसमें प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में विज्ञापन के साथ-साथ बल्क एसएमएस अभियान शामिल है। इसके अतिरिक्त इसमें वेबसाइट, केबल और टीवी चैनलों पर प्रचार सामग्री पर हुए खर्च भी शामिल है। पार्टी की ओर दिए गए रिपोर्ट में कहा गया है कि अपने चुनावी प्रचार को बढ़ाने के लिए बैनर, होर्डिंग, पोस्टर और झंडे जैसी प्रचार सामग्री पर भी 55.75 करोड़ रुपए खर्च किए गए। इसके अलावा पार्टी की ओर से जुलूसों, सार्वजनिक सभाओं और रैलियों पर भी खर्च किया गया, जिसमें मंच, बैरिकेड्स, ऑडियो सेटअप, और वाहनों आदि की व्यवस्था सहित इन पर कुल 19.84 करोड़ रुपए खर्च किए गए। पार्टी के बजट में अभियान से संबंधित यात्रा व्यय का एक और महत्वपूर्ण हिस्सा रहा। पार्टी के केंद्रीय मुख्यालय द्वारा अधिकृत स्टार प्रचारकों का यात्रा व्यय 168.92 करोड़ रुपए रहा, जबकि अन्य पार्टी नेताओं की यात्रा पर 2.53 करोड़ रुपए खर्च हुए। आम चुनावों में लगातार तीसरी बार जीत हासिल करने वाली भाजपा ने अपने खर्च के पैटर्न से स्पष्ट रूप से बड़े पैमाने पर जनसंपर्क और प्रचार अभियानों पर भरोसा किया। इस आम चुनाव में हालांकि पूर्व चुनावों की तुलना में भाजपा को कम सीटें मिली, लेकिन एनडीए को पूर्ण बहुमत मिला और तीसरी बार पीएम मोदी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनी। चुनाव प्रचार के दौरान पीएम मोदी स्टार कंपेनर थे और भाजपा ने लोकसभा चुनाव मोदी को सामने रखकर लड़ा था और 400 पार का दावा किया था, हालांकि भाजपा 400 पार का आंकड़ा पार नहीं कर पाई थी।

असम सरकार ने डॉक्टरों से अस्पतालों में उपलब्ध दवाएं लिखने को कहा

गुवाहाटी। असम के स्वास्थ्य मंत्री अशोक सिंघल ने राज्य के सरकारी डॉक्टरों से आग्रह किया है कि वे सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों और अस्पतालों के लिए अधिसूचित आवश्यक दवा सूची (ईडीएल) में शामिल केवल जेनेरिक दवाएं ही लिखें, ताकि मरीजों को दवाओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। सिंघल ने शुक्रवार को कहा कि असम के सिविल अस्पतालों के अपने हालिया दौरे के दौरान मैंने देखा कि कई मरीजों ने अस्पताल की फार्मेसियों में दवा की अनुपलब्धता के बारे में शिकायत की है। इस समस्या को दूर करने के लिए मैंने सभी सरकारी डॉक्टरों से अनुरोध किया कि वे सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों और अस्पतालों के लिए अधिसूचित जेनेरिक दवाएँ ही लिखें, ताकि दवा की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित हो सके, ताकि किसी भी मरीज को दवा की अनुपलब्धता का सामना न करना पड़े। स्वास्थ्य मंत्री ने

बताया कि उपलब्ध दवा को सभी सरकारी अस्पतालों में प्रदर्शित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि समस्याओं का सामना कर रहे मरीज हेल्पलाइन (व्हाट्सएप) नंबर: 98645-41430 पर पर्चे की एक प्रति भेजकर संपर्क कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि सिंघल ने बराक घाटी की अपनी दो दिवसीय यात्रा के तहत गुरुवार सुबह श्रीभूमि सिविल अस्पताल का दौरा किया था। अपने निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल के बुनियादी ढांचे और सेवाओं का आकलन किया, प्रत्येक वार्ड का दौरा किया और विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा की। मंत्री ने अस्पताल की सुविधाओं का मूल्यांकन करने के लिए अस्पताल के अधीक्षक, जिले के स्वास्थ्य सेवाओं के संयुक्त निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अधिकारियों और अन्य प्रमुख हितधारकों के साथ बैठक की। दौरे के दौरान एक मरीज ने दवा की अनुपलब्धता के बारे में चिंता जताई थी, जिसके बाद मंत्री ने अस्पताल के दवा भंडार की समीक्षा की। सिंघल ने डॉक्टरों से आग्रह किया कि वे मरीजों को बाहरी फार्मेसियों में जाने के बजाय अस्पताल में उपलब्ध दवाएं ही लिखें। इसके अतिरिक्त, मंत्री ने अस्पताल प्राधिकारियों को एक पखवाड़े के भीतर सशुल्क केबिन सेवाएं शुरू करने का निर्देश दिया तथा अस्पताल परिसर में मासिक सफाई अभियान की आवश्यकता पर बल दिया। बाद में, मंत्री ने श्रीभूमि जिला आयुक्त कार्यालय में आयोजित बैठक में जिले के स्वास्थ्य सेवा प्रदर्शन की समीक्षा की। चर्चा में प्रमुख स्वास्थ्य संकेतकों पर चर्चा की गई, जिनमें मातृ एवं शिशु मृत्यु दर, प्रसवपूर्व देखभाल पंजीकरण, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, टीकाकरण कवरेज, चाय बागानों में गर्भवती महिलाओं के लिए मजदूरी मुआवजा, 100 दिवसीय तपेदिक उन्मूलन अभियान और 30 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए गैर-संचारी रोग जांच शामिल थे।

मुख्यमंत्री ने मे-डाम-मे-फी उत्सव पर दी शुभकामनाएं

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने मे-डाम-मे-फी के पावन अवसर पर अहोम पूर्वजों को श्रद्धांजलि अर्पित की और सभी को शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे हृदय से प्रार्थना करते हैं कि पूर्वजों का आशीर्वाद सभी पर बना रहे। इस अवसर पर, समाज में सद्भाव को मजबूत करने और असमिया समुदाय को एकजुट एवं सशक्त बनाने की कामना की।

मादक पदार्थों के साथ तीन गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के कई इलाकों में गुरुवार की रात को वशिष्ठ पुलिस और एसटीएफ ने संयुक्त अभियान चलाया। इस अभियान में पुलिस ने खानापाड़ा और रुक्मिणीनगर से बड़ी मात्रा में ड्रग्स जब्त किए। साथ ही तीन कुख्यात ड्रग्स तस्करी के आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में धेमाजी के माछखोवा निवासी खीरोद दलै, ढकुवाखाना के ऋतुराज पातिर और डेका भास्कर पेगू शामिल हैं। पुलिस दल ने अभियान के दौरान 96.73 ग्राम हेरोइन से भरे 72 कंटेनर जब्त किए। इसके अलावा 31 खाली कंटेनर, 13 हजार रुपए नकद, एक स्कूटी और दो मोबाइल फोन भी बरामद किए गए।

मुख्यमंत्री ने जैन धर्म के अहिंसा और सेवा के संदेश को सराहा

रोरहाट। असम के जोरहाट में नग्न जैन भिक्षुओं के नेतृत्व में निकाले गए धार्मिक जुलूस के विरोध के बीच मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि समुदाय की धार्मिक प्रथाओं में बाधा डालने के किसी भी प्रयास से सख्ती से निपटा जाएगा। शर्मा की यह टिप्पणी बुधवार को जैन समुदाय द्वारा निकाले गए धार्मिक जुलूस के बाद जोरहाट शहर में लोगों के एक समूह द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन की पृष्ठभूमि में आई है। जोरहाट जिले के मुख्यालय में मुख्य सड़कों पर निकाले गए जुलूस का नेतृत्व दो जैन भिक्षुओं ने किया, जो अपनी धार्मिक परंपरा के अनुसार नग्न थे, जिससे ऊपरी असम के इस शहर के निवासियों के एक वर्ग की ओर से तीखी प्रतिक्रिया हुई। मुख्यमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि जैन धर्म, अपने पूजनीय परम पूजनीय मुनियों के साथ, अहिंसा, त्याग और निस्वार्थ भक्ति का प्रतीक है। उनकी पवित्र प्रथाओं को बाधित करने के किसी भी प्रयास का दृढ़ और निर्णायक कार्रवाई से सामना किया जाएगा। उन्होंने कहा कि असम धार्मिक सहिष्णुता को कायम

रखने के लिए दृढ़ संकल्प है और वह अडिग संकल्प के साथ करुणा और मानवता के संदेश को आगे बढ़ाता रहेगा। बुधवार को दो नग्न जैन साधु नागालैंड के दीमापुर से एक धार्मिक जुलूस के साथ जोरहाट शहर के मारवाड़ी ठाकुरबाड़ी परिसर में आए। गुरुवार को इसका विरोध करते हुए विभिन्न संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले लोगों के एक समूह ने जुलूस के खिलाफ नारे लगाते हुए जिला आयुक्त कार्यालय तक विरोध मार्च निकाला। जोरहाट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष हेमेन बोरा और बीर लचित सेना के कुछ सदस्यों समेत आठ लोगों को डीसी कार्यालय के सामने से गिरफ्तार किया गया। शुक्रवार दोपहर उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। बीर लचित सेना के राज्य महासचिव रंजू पानीफुकन ने पीटीआई से कहा कि ऐसे नग्न साधुओं की मौजूदगी निश्चित रूप से समाज और संस्कृति में असंतुलन पैदा करेगी। इसलिए, हम बीर लचित सेना की ओर से इस तरह की गतिविधियों को कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे और धार्मिक प्रथाओं के नाम पर ऐसे लोगों को सार्वजनिक क्षेत्रों में घूमने की अनुमति नहीं देंगे। बीर लाचित सेना के साथ-साथ अन्य संगठनों के सदस्यों ने भी दो नग्न जैन भिक्षुओं की प्रथा के संबंध में जिला आयुक्त से हस्तक्षेप की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा।

राष्ट्रीय शिक्षा सदन में धूमधाम से मना गणतंत्र दिवस

गुवाहाटी। 26 जनवरी को राष्ट्रीय शिक्षा सदन विद्यालय में बड़ी धूमधाम से गणतंत्र दिवस मनाया गया। इस अवसर पर स्कूल के अध्यक्ष श्रवण कुमार संगानेरिया व प्रधानाध्यपक मनोज शर्मा ने राष्ट्रीय ध्वज पहराया तथा स्कूल के बच्चों ने देश भक्ति के गीत गाए। स्कूल की ओर से बच्चों व अभिभावकों को मिठाई बांटी गई। इस दौरान विद्यालय के बच्चे व अभिभावकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के सफल बनाने में स्कूल के सभी शिक्षकों ने अपना महत्वपूर्ण योगदाज दिया। जिनमें मनोज शर्मा, राधा देवी, कृष्णा चौधरी चितवत पांडे, अरुण चौधरी, शाहनाज सुल्ताना, दीपा दास व स्पा दे उपस्थित थे।

विवेकानंद केंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ कल्चर का 28वां स्थापना दिवस मनाया गया

गुवाहाटी (हिंस)। विवेकानंद केंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ कल्चर (वीकेआईसी) का 28वां स्थापना दिवस शुक्रवार को गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के सभागार में मनाया गया। मुख्य अतिथि के रूप में गौहाटी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ननीगोपाल महंत उपस्थित रहे, जिन्होंने वीकेआईसी की पूर्वोत्तर भारत की संस्कृति संरक्षण में अनमोल योगदान की सराहना की। प्रसिद्ध इतिहासकार प्रोफेसर दिलीप कुमार चक्रवर्ती, जो कि कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में दक्षिण एशियाई पुरातत्त्व के प्रोफेसर हैं, ने *राष्ट्रीयता और प्राचीन भारत के इतिहास* विषय पर वक्तव्य दिया। प्रोफेसर चक्रवर्ती ने शिक्षाविदों से अधिक समुदाय आधारित शोध विधियों को अपनाने

का आह्वान किया। वीकेआईसी सम्मान 2025 एआर शालामक को प्रदान किया गया, जिन्होंने खिलंजिया (स्थानीय) विश्वास और संस्कृति के संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस कार्यक्रम में आठ पुस्तकों का विमोचन भी किया गया, जिसमें ट्रेडिशनल सिस्टम ऑफ कार्बी कम्युनिटी: चेंज एंड कंटिन्यूटी शामिल है। वीकेआईसी भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित विकास को बढ़ावा देने के लिए नियमित रूप से व्याख्यान, कार्यशालाएं और प्रकाशन कार्यक्रम आयोजित करता है।

असम में अल-कायदा से जुड़े एबीटी मॉड्यूल मामले में दो और दोषी करार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी स्थित एनआईए की विशेष अदालत ने असम में अंसरुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) से जुड़े मामले में दो और आरोपियों को दोषी करार दिया है। आरोपी मुफ्ती सुलेमान अली और इमरान हुसैन को आईपीसी और यूएपीए एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत सजा सुनाई गई है। उन्हें आईपीसी की धारा 120(बी) के तहत छह महीने की साधारण कैद और पांच सौ रुपए का जुर्माना लगाया गया है। जुर्माना न भरने पर 14 दिन की अतिरिक्त कैद होगी। साथ ही, यूएपीए की धारा 20, 38 और 39 के तहत उन्हें पहले से बिताई गई 2 साल, 8 महीने और 21 दिन की सजा को भी सजा के रूप में मान्यता दी गई है। मार्च 2022 में दर्ज यह मामला एबीटी मॉड्यूल से जुड़ा है, जिसके तार प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन अल-कायदा इन इंडियन सबकॉन्टिनेंट (एक्यूआईएस) से जुड़े थे। इस मॉड्यूल का नेतृत्व बांग्लादेशी नागरिक सैफुल इस्लाम उर्फ हारून राशिद कर रहा था, जो असम के बरपेटा जिले में सक्रिय था। एनआईए ने अगस्त 2022 में इस मामले में आठ आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दायर की थी, जबकि अगस्त 2023 में दो और के खिलाफ पूरक चार्जशीट दाखिल की गई। इससे पहले, 22 जनवरी को मामुनुर रशीद और मुखिबुल हुसैन नामक दो अन्य एबीटी सदस्यों को भी दोषी करार दिया गया था। मामले की जांच और सुनवाई अभी जारी है।

असम के सांस्कृतिक प्रतीक विष्णुप्रसाद राभा की जयंती पर मुख्यमंत्री की श्रद्धांजलि

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने असम के महान सांस्कृतिक प्रतीक विष्णुप्रसाद राभा की जयंती पर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राभा एक प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी, गीतकार, संगीतकार, चित्रकार और लेखक थे, जिन्होंने असम और देश के लिए अमूल्य योगदान दिया।

उनकी प्रेरणादायी जीवन यात्रा और आदर्श असम व असमिया समाज को सदैव मार्गदर्शित करते रहेंगे। इस पवित्र अवसर पर, उनके देशप्रेम का संदेश समाज को हमेशा प्रकाशमान करता रहेगा।

52 नंबर किस्मत काठमी के पूर्व ग्राम पंचायत अध्यक्ष गियास उद्दीन ने थामा कांग्रेस का दामन

नगरबेरा (विभास)। दक्षिण कामरूप जिले में नवगठित समरिया निर्वाचन क्षेत्र के तहत किस्मत काठमी ग्राम पंचायत नंबर 52 के पूर्व अध्यक्ष गियास उद्दीन अहमद कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। किस्मत काठमी मंडल कांग्रेस के अध्यक्ष कलीम उद्दीन अहमद की आधिकारिक तौर पर कांग्रेस पार्टी में शामिल किया गया। पूर्व पंचायत अध्यक्ष गियासुद्दीन अहमद 2021 के विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए थे। गियासुद्दीन अहमद ने कहा कि विधानसभा चुनाव के बाद से वह पुरी तरह से कांग्रेस पार्टी की ओर से पार्टी की विभिन्न गतिविधियों और बैठक समितियों में काम कर रहे हैं। असम

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर किस्मत काठमी मंडल कांग्रेस की पहल पर कल नौभंगा मार्केट में महात्मा गांधी की 78वीं पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर नौभंगा क्षेत्रीय बाजार परिसर में *महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण* शीर्षक से समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर किस्मत काठमी ग्राम पंचायत के मंडल कांग्रेस अध्यक्ष कलीम उद्दीन, सचिव हिफजुर्रहमान, किस्मत काठमी ग्राम पंचायत के पूर्व अध्यक्ष सोलेमान अली सहित ग्राम पंचायत के कई अन्य कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने फूलम गमछा के साथ गियासउद्दीन अहमद का औपचारिक रूप से अभिनंदन किया और औपचारिक रूप से कांग्रेस पार्टी का स्वागत किया। पुष्पांजलि समारोह में समरिया ब्लॉक किसान मोर्चा के सचिव सुरमान अली, कामरूप जिला कांग्रेस सेवा दल के सचिव जावेद अली, वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ता मैनुद्दीन अहमद, मोरजीना बेगम, मंजू अहमद और मंडल के विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी शामिल थे।

प्राची धबल देब बनीं उत्तर-पूर्व के सबसे बड़े बेकरी इवेंट *केकोलॉजी 2025* की मुख्य जज

गुवाहाटी। गुवाहाटी में बेकिंग प्रतिभा का भव्य जश्न मनाने की तैयारियां जोरों पर हैं, क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता केक आर्टिस्ट और तीन बार वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक (वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन) प्राची धबल देब *केकोलॉजी 2025* में मुख्य जज के रूप में शामिल हो रही हैं। यह उत्तर-पूर्व भारत का सबसे बड़ा बेकरी इवेंट है। मणिराम दीवान ट्रेड सेंटर, गुवाहाटी में आयोजित होने वाले इस तीन दिवसीय भव्य आयोजन में 200 से अधिक केक आर्टिस्ट भाग लेंगे। यह इवेंट क्षेत्र के बेकर्स को अपनी प्रतिभा दिखाने, नवाचार करने और इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने का सुनहरा अवसर प्रदान करेगा। प्राची की मौजूदगी उत्तर-पूर्व के होनहार बेकर्स के लिए एक विशेष

अवसर है, जहां वे अंतर्राष्ट्रीय बेकिंग ट्रेंड्स को समझ सकते हैं, अपने कौशल को निखार सकते हैं और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं। रॉयल आइसिंग तकनीक और जटिल खाद्य कला में अपनी विशेषज्ञता के लिए मशहूर प्राची ने कई बेकर्स को मेंटर किया है, जिससे उन्हें वैश्विक बेकिंग ट्रेंड्स और बिजनेस रणनीतियों को समझने मे

गोलाघाट में मनाया जा रहा मे डाम-मे-फी उत्सव

गोलाघाट (हिंस)। असम के ताई अहोम युवा परिषद, गोलाघाट जिला समिति ने दो दिवसीय केंद्रीय मे-डाम-मे-फी के पहले दिन विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए। खुमटाई निर्वाचन क्षेत्र के विधायक मृणाल सैकिया ने दीप प्रज्वलन कर गोलाघाट के समन्वय क्षेत्र में पूर्वजों की शांति के लिए फुरालुंग पूजा का शुभारंभ किया। उत्सव समिति ने मे-डाम-मे-फी के दूसरे दिन सभी स्थानीय लोगों से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है। मे-डाम-मे-फी उत्सव आहोम समाज अपने पूर्वजों को याद करने के लिए मनाता है। आज पूरे असम, खासकर ऊपरी असम में बड़े ही उत्साह के साथ मे-डाम-मे-फी उत्सव मनाया जा रहा है। दो दिवसीय कार्यक्रमों के साथ तिनसुकिया जिले के मार्घेरिटा में मे-डाम-मे-फी उत्सव का 43वां संस्करण पूरे उत्साह के साथ मनाया जा रहा है।

जवाहर नवोदय विद्यालय में चित्रांकन प्रतियोगिता आयोजित

विश्वनाथ के साथ सभी प्रतिभागियों को दिया गया स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र

विश्वनाथ (हिंस/विभास)। जवाहर नवोदय विद्यालय बिश्वनाथ में 2024-25 वर्ष के लिए गति निर्धारण गतिविधियों के अंतर्गत 30-31 जनवरी को दो दिवसीय दीवार पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में बिश्वनाथ चारिआली क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। दीवार पेंटिंग प्रतियोगिता में शंकरदेव शिशु विद्या निकेतन, विश्वनाथ ज्ञान भारती, लिटिल स्टार सेक्टर स्कूल और जवाहर नवोदय विद्यालय, विश्वनाथ से प्राय: 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया। दीवार चित्रांकन प्रतियोगिता के विषय *विकासशील भारत और महिला सशक्तिकरण* थे। प्रतियोगिता का शुभारंभ प्राचार्य राजेश कुमार वर्मा ने किया। प्रतियोगिता का समन्वयन रिंटू दास, कला शिक्षक जवाहर नवोदय विद्यालय, विश्वनाथ ने किया। आज दीवार चित्रांकन प्रतियोगिता के प्रथम,

द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त विजेताओं को ट्राफी, स्मृति चिह्न तथा प्रशस्ति पत्र से सम्मान प्रदान किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान- विश्वनाथ ज्ञान भारती स्कूल (चैत्रिक भट्टाचार्जी, प्रसूज्य दधारा, मौसम हजारिका, बोनी बंदना बरकाकती, नीलुत्पल कर्मकार), दूसरा स्थान- लिटिल स्टार स्कूल, विश्वनाथ (स्वागत भराली, रूपज्योति नाथ, अबार्थ्या कटकी, प्रज्ञा बोरा, एरिन बोरा) तीसरा स्थान- लिटिल स्टार स्कूल बीएनसी (प्रज्ज्वलिका हजारिका, अनन्या शाह केविन कश्यप, प्रियाखी भुइयां) को प्राप्त हुए।

राजहुआ नामघर में लायंस उमंग ने लगाया आरओ वाटर प्लांट

गुवाहाटी। महानगर के कुमारपाड़ा के नारायण नगर स्थित श्री राजहुआ सत्र नामघर में लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी उमंग की ओर से आरओ वाटर प्लांट लगाया गया। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी सुनीता पारीक ने बताया कि अध्यक्ष पायल चड्ढा के नेतृत्व में सामुदायिक सेवा के क्षेत्र में एक और मानव सेवा का कार्य किया गया। क्लब की अध्यक्ष पायल चड्ढा ने बताया कि लालचंद ओंकारमल गोयनका चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से प्रायोजित इस आरओ वाटर प्लांट का उद्घाटन मल्टीपल डिस्ट्रिक्ट 322 जी की जिलापाल सीमा गोयनका ने किया, ताकि नामघर जैसे पवित्र धर्म स्थल के माध्यम से स्वच्छ जल उपलब्ध कराया जा सके। प्रोजेक्ट चेयरमैन श्रीमती रितु बंका ने आरओ वाटर प्लांट को स्थापित करने में मिले सहयोग हेतु

लालचंद ओंकारमल गोयनका चैरिटेबल ट्रस्ट तथा जिलापाल श्रीमती सीमा गोयनका के प्रति आभार व्यक्त किया। इस आरओ प्लांट के लगने से स्थानीय लोगों को भी स्वच्छ जल उपलब्ध होगा। सचिव स्वाति चौधरी ने कहा कि इस दौरान लायंस क्लब के वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय निदेशक राज कुमार अग्रवाल, पूर्व अंतर्राष्ट्रीय निदेशक संगीता जटिया, पूर्व जिलापाल किशोर कुमार वर्मा, गुवाहाटी के मेयर मृगेन सराणिया, वीडीजी (प्रथम) पंकज पोद्दार, नामघर से सत्राधिकार श्री सनातन दास सहित विभिन्न क्लबों से आए पदाधिकारी मौजूद थे। कोषाध्यक्ष बबीता मोर ने बताया कि आयोजन को सफल बनाने में लायंस उमंग की सभी सदस्याओं का भरपूर सहयोग रहा।

संपादकीय

भीड़ की त्रासदी है

अंततः साबित हो गया कि महाकुंभ प्रयागराज में 'त्रासद हादसा' हुआ। भीड़ के कारण भगदड़ मची। भगदड़ वैसी ही थी, जैसी इतिहास में दर्ज हैं और हम कई बार देख-सुन चुके हैं। जिंदगी एक भी बेहद अमूल्य है, वह किसी भी सूरत में कुचली नहीं जानी चाहिए। यह अक्षम्य मानवीय अपराध तय होना चाहिए। मौत निश्चित और अपरिहार्य है, लेकिन मौत वह होनी चाहिए, जो नियति ने तय की हो। क्या महाकुंभ की त्रासदी को भी नियति मान लिया जाए? महाकुंभ में करोड़ों श्रद्धालु पुण्य कमाने गए थे और अब भी जा रहे हैं, प्रधानमंत्री मोदी ने भी उन्हें 'पुण्यात्मा' माना है, वे पूर्णतः आस्थामय थे, लिहाजा पवित्र संगम घाट से 200 मीटर की दूरी तक पहुंच गए थे। फिर उनकी आस्था अधूरी क्यों रही? शायद यही नियति हो! बहरहाल भगदड़ मची और सोते, विश्राम करते भक्त भीड़ की कुचलियों तले फंस गए। कुचलन के कारण 30 मौतें हो गईं, 60 घायल हुए। उनमें से 36 लोग अब भी अस्पताल में उपचाराधीन हैं। महाकुंभ की यह त्रासदी विश्व भर के मीडिया में छाई है। बड़े-बड़े अखबारों में सुर्खियां, विश्लेषण छापे जा रहे हैं कि भारत इतने व्यापक स्तर पर भीड़ का प्रबंधन करने में नाकाम रहा। सवाल उठाए जा रहे हैं कि क्या कुंभ जैसे अपरिमित जन-आयोजन भारत में किए जाने चाहिए? भारत के सुरक्षाकर्मी भीड़ को नियंत्रित कर रहे थे अथवा महज अपीलें जारी कर रहे थे? अंतरराष्ट्रीय मीडिया में भारत-विरोधी अभियान-सा छिड़ गया लगता है। बेशक भगदड़ें होती रही हैं, धार्मिक स्थलों पर ज्यादा हुई हैं, लिहाजा ऐसी त्रासदियों को भी नियति माना जाए। दुनिया भर में भयानक और वीभत्स हत्याएं भी की जाती रही हैं। यह एक निरंतर अपराध है। कुंभ या किसी भी जन-सैलाब के दौरान भगदड़ और बर्बर हत्याओं को मीडिया में 'बैनर सुर्खियों' के तौर पर छापा जाता रहा है। कई दिनों तक विश्लेषण भी प्रकाशित किए जाते रहे हैं, लेकिन अलजाइमर की बीमारी दुनिया भर में मौतों की 7वीं सबसे बड़ी और तय कारण है, लेकिन उसकी खबर एक कोने में छपती है। कई बार तो नजरअंदाज भी कर दिया जाता है। सडक़ दुर्घटनाओं में सालाना लाखों मौतें होती हैं, लेकिन इन्हें भी सुर्खियां नहीं बनाया जाता। कोरोना महामारी की खबर तब तक एक कोने में, अंदर के पन्नों पर, छपती रही, जब तक भारत में मौतों का आंकड़ा निरंतर और भयावह नहीं हो गया। दरअसल भारत एक संकरा और भीड़-भाड़ वाला देश है। आबादी करीब 145 करोड़ है और निरंतर बढ़ रही है। गौरतलब है कि भारत में 9 शहर ऐसे हैं, जिनकी आबादी 70 लाख से ज्यादा है। करीब 46 शहर ऐसे हैं, जिनकी आबादी 10 लाख से अधिक है। इन शहरों के पास ऐसे मैदान भी नहीं हैं, जहां 5 लाख की भीड़ को एक जगह संभाल लिया जाए। देश में कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं है, जहां एक दिन में 8-10 करोड़ लोगों की भीड़ जमा हो सके और कोई हादसा भी न हो। हमारे रेलवे स्टेशनों पर इतनी भीड़ हो जाती है कि अक्सर भगदड़ के आसार बनते रहते हैं। फिर महाकुंभ में करोड़ों की भीड़ के प्रबंधन और नियंत्रण के दावे क्यों किए गए? पुण्य स्नान के लिए लोगों को आमंत्रण क्यों दिया जाता रहा? बेशक मेला क्षेत्र 4000 हेक्टेयर में फैला है। यह अभूतपूर्व है। सुरक्षाकर्मी 70,000 से अधिक तैनात किए गए हैं, लेकिन स्नान की होड़ में भीड़ उनके निर्देशों को भी नहीं मानती। दरअसल भारत के ज्यादातर लोग धर्म-भीरू हैं, आस्तिक आत्माएं कम हैं, लिहाजा भक्त 10-15 किलोमीटर पैदल चलते रहे, धक्के खाते रहे, संघर्ष करते रहे, क्योंकि उन्हें 'अमृत स्नान' करना था। बहरहाल महाकुंभ की त्रासदी पर न तो इंजीनियर बनें और न ही राजनीतिक विद्वेष फैलाएं। हमें भीड़-तंत्र के विज्ञान को समझना होगा, नहीं तो त्रासदियां भी अपरिहार्य ही रहेंगी।

> महाकुंभ की त्रासदी को भी नियति मान लिया जाए? महाकुंभ में करोड़ों श्रद्धालु पुण्य कमाने गए थे और अब भी जा रहे हैं, प्रधानमंत्री मोदी ने भी उन्हें 'पुण्यात्मा' माना है, वे पूर्णतः आस्थामय थे, लिहाजा पवित्र संगम घाट से 200 मीटर की दूरी तक पहुंच गए थे। फिर उनकी आस्था अधूरी क्यों रही? शायद यही नियति हो! बहरहाल भगदड़ मची और सोते, विश्राम करते भक्त भीड़ की कुचलियों तले फंस गए। कुचलन के कारण 30 मौतें हो गईं, 60 घायल हुए। उनमें से 36 लोग अब भी अस्पताल में उपचाराधीन हैं। महाकुंभ की यह त्रासदी विश्व भर के मीडिया में छाई है। बड़े-बड़े अखबारों में सुर्खियां, विश्लेषण छापे जा रहे हैं कि भारत इतने व्यापक स्तर पर भीड़ का प्रबंधन करने में नाकाम रहा। सवाल उठाए जा रहे हैं कि क्या कुंभ जैसे अपरिमित जन-आयोजन भारत में किए जाने चाहिए? भारत के सुरक्षाकर्मी भीड़ को नियंत्रित कर रहे थे अथवा महज अपीलें जारी कर रहे थे? अंतरराष्ट्रीय मीडिया में भारत-विरोधी अभियान-सा छिड़ गया लगता है। बेशक भगदड़ें होती रही हैं, धार्मिक स्थलों पर ज्यादा हुई हैं, लिहाजा ऐसी त्रासदियों को भी नियति माना जाए।

विश्व की तीसरी सबसे बड़ी वैज्ञानिक और तकनीकी जनशक्ति भी हमारे यहां

वैज्ञानिकों पर भरोसे के मामले में भारत दूसरे नंबर पर

> तमाम चुनौतियों के बावजूद भारत में वैज्ञानिकों एवं उनके रिसर्च वर्क के प्रति आम आदमी का विश्वास और सम्मान कायम है। अंतराष्ट्रीय जर्नल नेचर ह्यूमन बिहेवियर में प्रकशित नए अध्ययन के अनुसार मिस्र के बाद 68 देशों में भारत को वैज्ञानिकों पर भरोसे के मामले में दूसरे पायदान पर है। मिस्र शीर्ष पर है . उसके बाद भारत, नाइजीरिया, केन्या और ऑस्ट्रेलिया को रखा गया है। इसी तरह अमेरिका को बारहवें जबकि ब्रिटेन को 15वें स्थान पर रखा गया है

यह भारतवासियों के लिए खुशी की खबर है, साथ ही विश्व पटल पर सम्मान की बात भी है। तमाम चुनौतियों के बावजूद भारत में वैज्ञानिकों एवं उनके रिसर्च वर्क के प्रति आम आदमी का विश्वास और सम्मान कायम है। अंतराष्ट्रीय जर्नल नेचर ह्यूमन बिहेवियर में प्रकशित नए अध्ययन के अनुसार मिस्र के बाद 68 देशों में भारत को वैज्ञानिकों पर भरोसे के मामले में दूसरे पायदान पर है। मिस्र शीर्ष पर है. उसके बाद भारत, नाइजीरिया, केन्या और ऑस्ट्रेलिया को रखा गया है। इसी तरह अमेरिका को बारहवें जबकि ब्रिटेन को 15वें स्थान पर रखा गया है। वहीं इन 68 देशों में अल्बानिया सबसे निचले पायदान पर है। यह अध्ययन हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की विक्टोरिया कोलोग्ना और ज्यूरिख यूनिवर्सिटी के नील्स जी मेडे के नेतृत्व में 169 संस्थानों के 241 शोधकर्ताओं की एक अंतरराष्ट्रीय टीम द्वारा किया है। इसमें बाथ विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ भी शामिल थे। इस सर्वेक्षण में शोधकर्ताओं ने 71,922 लोगों से उनकी राय ली है।

दरअसल, वैज्ञानिक समाज में महत्वपूर्ण भूमिका रखते हैं। यह वैज्ञानिक ही हैं जिन्होंने मानव की जिदंगी को साल दर साल आसान ही बनाया है लेकिन क्या आम जनता भी विज्ञान और वैज्ञानिकों पर भरोसा करती है जो हमारे भविष्य को आकार दे रहे हैं, इन्हीं सवालों के जबाव ढूंढने के लिए शोधकर्ताओं ने भारत सहित 68 देशों में आम लोगों पर एक सर्वेक्षण किया था। सुखद बात यह रही कि इसमें सामने आया कि दुनिया के अधिकांश लोग अब भी वैज्ञानिकों पर भरोसा करते हैं। महिलाओं और बुजुर्गों का वैज्ञानिकों पर भरोसा पुरुषों और युवाओं से कहीं ज्यादा है। इसके साथ ही शहरी, शिक्षित और आर्थिक रूप से समृद्ध लोग वैज्ञानिकों पर अधिक विश्वास करते हैं। निष्कर्ष कुछ चिंताजनक पहलुओं को भी उजागर करते हैं। वैश्विक स्तर पर महज 42 फीसदी लोग मानते हैं कि वैज्ञानिक दूसरों के विचारों पर ध्यान देते हैं।

कुछ लोगों को यह भी लगता है कि वैज्ञानिक प्राथमिकताएं हमेशा

उनकी प्राथमिकताओं से मेल नहीं खाती। अध्ययन के नतीजे दर्शाते हैं लोगों का वैज्ञानिकों पर भरोसा मजबूत है. फिर भी इसे बनाए रखने के लिए कुछ चुनौतियां हैं। ऐसे में इस भरोसे को कायम रखने के लिए शोधकर्ताओं ने सिफारिश की है कि वैज्ञानिकों से बात करनी चाहिए और उनकी राय लेनी चाहिए। अध्ययन में यह भी सामने आया है कि आमतौर पर भारतीय वैज्ञानिकों की काबिलियत और समाज कल्याण में उनके योगदान को सकारात्मक रूप से देखते हैं। अध्ययन इस बात को भी दर्शाता है कि विज्ञान के प्रति भारतीयों की मजबूत आस्था है। 78 फीसदी लोगों ने माना कि वैज्ञानिक महत्वपूर्ण शोध करने में सक्षम हैं। वहीं 57 फीसदी लोग वैज्ञानिकों को ईमानदार मानते हैं। इसी तरह 56 फीसदी का विचार है कि वैज्ञानिक समाज की भलाई के बारे में सोचते हैं। हालांकिए 42 फीसदी लोग ऐसे भी हैंए जिन्हें लगता है कि वैज्ञानिक दूसरों की बातों पर ध्यान देते हैं। इसी तरह ज्यादातर ;83 फीसदी लोगों का मानना है कि वैज्ञानिकों को अपना काम जनता के साथ साझा करना चाहिए। हालांकि 23 फीसदी लोगों का मानना है कि वैज्ञानिकों को विशिष्ट नीतियों को बढ़ावा देने से बचना चाहिए, जबकि 52 फीसदी का मानना है कि वैज्ञानिकों को नीति निर्माण में बड़ी भूमिका निभानी चाहिए।

वैज्ञानिक अप्रोच से ही देश का समुचित विकास संभव : किसी भी देश का विकास वहाँ के लोगों के विकास के साथ जुड़ा हुआ होता है। इसके मद्देनज़र यह ज़रूरी हो जाता है कि जीवन के हर पहलू में विज्ञान.तकनीक और शोध कार्य अहम भूमिका निभाएं। विकास के पथ पर कोई देश तभी आगे बढ़ सकता है जब उसकी आने वाली पीढ़ी के लिये सूचना और ज्ञान आधारित वातावरण बने और उच्च शिक्षा के स्तर पर शोध तथा अनुसंधान के पर्याप्त संसाधन उपलब्ध हों। इसमें दो राय नहीं है कि भारतीय वैज्ञानिकों का जीवन और कार्य प्रौद्योगिकी विकास तथा राष्ट्र निर्माण के साथ गहरी मौलिक अंतःदृष्टि के एकीकरण का शानदार उदाहरण रहा है। लेकिन कुछ तथ्य ऐसे भी हैं जो इशारा करते हैं कि भारत आज विश्व में वैज्ञानिक प्रतिस्पर्द्धा के क्षेत्र में कहाँ ठहरता हैघ भारत की अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में क्या स्थिति हैघ आखिर क्यों भारत शोध कार्यों के मामले में चीनए जापान जैसे देशों से पीछे हैघ ऐसी कौन.सी चुनौतियाँ हैं जो अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में भारत की प्रगति के पहिये को रोक रही हैंघ इस दिशा में क्या कुछ समाधान किये जा सकते हैं. यूनेस्को के अनुसारए ज्ञान के भंडार को बढ़ाने के लिये योजनाबद्ध ढंग से किये गए सृजनात्मक कार्य को ही रिसर्च यानी अनुसंधान एवं डेवलपमेंट यानी विकास कहा जाता है।

अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियां : इंडियन साइंस एंड रिसर्च एंड डेवलपमेंट इंडस्ट्री रिपोर्ट के अनुसार भारत बुनियादी अनुसंधान के क्षेत्र में शीर्ष रैंकिंग वाले देशों में शामिल है।विश्व की तीसरी सबसे बड़ी वैज्ञानिक और तकनीकी जनशक्ति भी भारत में ही है। वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद ;ब्ैप्त्द्ध द्वारा संचालित शोध प्रयोगशालाओं के ज़रिये नानाविध शोधकार्य किये जाते हैं। भारत विज्ञान और प्रौद्योगिकी अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रणी देशों में सातवें स्थान पर है। मौसम पूर्वानुमान एवं निगरानी के लिये प्रत्युष नामक शक्तिशाली सुपरकंप्यूटर बनाकर भारत इस क्षेत्र में जापानए ब्रिटेन और अमेरिका के बाद चौथा प्रमुख देश बन गया है। नैनो तकनीक पर शोध के मामले में भारत दुनियाभर में तीसरे स्थान पर है।

दृष्टि कोण

शिया पंथ-इस्लाम पंथ का बढ़ता विवाद

पिछले दिनों कश्मीर में शिया पंथ के लोगों को लेकर इस्लाम पंथ के पैरोकारों में एक मामला तूल पकडने लगा था। उस पर चर्चा करने के लिए शिया पंथ और इस्लाम पंथ के मूल विवाद को जान लेना जरूरी है। दरअसल हजरत मोहम्मद (सल्ल) के पैरोकारों के दो अलग-अलग पंथ कर्बला के युद्ध के बाद ही बन गए थे। एक इस्लाम पंथ के नाम से प्रसिद्ध हुआ, जिसके पैरोकार मुसलमान कहलाए जाने लगे और दूसरा शिया पंथ के नाम से प्रसिद्ध हो गया। इसे इतिहास का दुर्योग ही कहा जाएगा कि दोनों हजरत मोहम्मद साहिब में ईमान रखते हैं, लेकिन उसके बावजूद एक दूसरे के सामने आ जाते हैं। शिया पंथ के अनुयायी हजरत मोहम्मद को तो मानते हैं, लेकिन उसके बाद उनका रास्ता मुसलमानों/इस्लाम पंथियों से अलग हो जाता है। इस्लाम पंथ के अनुयायी हजरत मोहम्मद के देहावसान के बाद के चार खलीफाओं यानी अबू बकर, उमर, उस्मान और अली (इन चार खलीफाओं को वे राशिदुन खलीफा कहते हैं) के अस्तित्व को स्वीकारते हैं और उसके बाद उत्तराधिकारी की परम्परा को समाप्त मान लेते हैं। लेकिन शिया पंथ के लोग पहले के तीन खलीफाओं को मान्यता नहीं देते। वे हजरत मोहम्मद के बाद हजरत अली को ही मान्यता देते हैं। चौथे खलीफा हजरत अली, हजरत मोहम्मद (सल्ल) के दामाद थे। उनकी किसी मुसलमान ने मस्जिद में नमाज पढ़ते हुए हत्या कर दी थी। इतना ही नहीं, उनके बेटे हसन को भी कहा जाता है जहर देकर मरवा दिया था। इसके बाद भी बस नहीं, उनके बचे हुए बेटे हुसैन को कर्बला के मैदान में धोखे से बुलाकर परिवार सहित हत्या कर दी गई थी।

इस प्रकार पूरा वंश ही समाप्त कर दिया गया ताकि उत्तराधिकार का मसला ही बंद हो जाए। मुसलमानों के इस अमानुषिक आचरण के विरोध में, कर्बला में हुए इस नरसंहार के बाद शिया पंथ के नाम से एक नया पंथ शुरू हो गया। अंग्रेजी में शिया पंथ का अनुवाद ही 'अली की पार्टी' किया जाता है। देखते ही देखते, आज का ईरान और ईराक इस्लाम पंथ को छोडक़र शिया पंथ का अनुयायी हो गया। इस्लाम पंथ को मानने वाले दुनिया के दूसरे देशों में भी बहुत से इस्लाम पंथी बाद में शिया पंथ के अनुयायी हो गए, लेकिन ईरान और ईराक को छोडक़र अन्य स्थानों पर वे अल्पमत में ही हैं। इस्लाम पंथ और शिया पंथ के शिष्यों में विवाद की जड़ में कर्बला का वह युद्ध बहुत महत्वपूर्ण पड़ाव है। शिया पंथ के लोग कर्बला की उस घटना को हर साल दुनिया भर में याद करते हैं। उसकी याद में ताजिया निकालते हैं। अली के बेटे हुसैन को जब मुसलमानों ने मारा, तो उनके कष्ट को अनुभव करने के लिए शिया पंथी अपने शरीर पर कोड़े मारते हुए लहूलुहान हो जाते हैं। इतना ही नहीं, 'हा हुसैन, हम न हुए' के नारे लगाते हैं। यानी उन्हें अफसोस है कि उस अमानवीय नरसंहार के वक्त हम कर्बला के मैदान में नहीं थे। यदि हम वहां होते तो जरूर न्याय की इस लड़ाई में अपनी जान दे देते। जाहिर है मुसलमानों को शिया पंथियों का हर साल का यह प्रदर्शन और रुदन चुभता है। कोई भी कौम अपने इतिहास के अंधेरे पक्ष का सामना नहीं करना चाहती। वह यह भी नहीं चाहती की शिया पक्ष बार बार उसका प्रदर्शन करके उसे चिढ़ाए। लेकिन शिया पंथ की तो शुरुआत ही कर्बला के उस मैदान से होती है, अतः वह उसे कैसे भूल सकता है? यही कारण है कि अनेक स्थानों पर कर्बला युद्ध का वह ऐतिहासिक दिन आज भी शिया पंथियों और मुसलमानों के बीच में एक बार फिर कर्बला का मैदान बन जाता है। दोनों पक्षों में दंगा हो जाता है जिसमें कई निर्दोष लोगों की जान चली जाती है। पाकिस्तान ने तो सारी हदें तोड़ दी हैं। वहां तो शिया इबादतखानों (शिया पंथी भी अपने इबादतखानों को मस्जिद ही कहते हैं) पर बाकायदा बम विस्फोट किए जाते हैं ताकि शिया पंथी किसी स्थान पर एकत्रित न हो सकें। शिया पंथ के अनुयायियों और मुसलमानों में विवाद का एक दूसरा कारण भी है। शिया पंथ के लोग ताजिए के नीचे से अपने बच्चों को निकालते हैं। उनका मानना है कि इससे बच्चों को हजरत हुसैन का आशीर्वाद मिल जाता है और वे जीवन में रोगों से मुक्त रहते हैं। इसी प्रकार वे ताजिया पर चढ़ावा शीरनी, शर्बत इत्यादि भी चढ़ाते हैं। यही चढ़ावा श्रद्धालुओं को प्रसाद के रूप में दिया जाता है।

इन सभी कारणों से मुसलमान, ताजिए की तुलना मूर्तिपूजा से करते हैं। उनके अनुसार ताजिया एक प्रकार से हजरत हुसैन का प्रतीक ही है। मूर्ति भी प्रतीक ही होती है। मूर्ति पर भी चढ़ावा चढ़ाया जाता है और प्रसाद बंटता है। इस्लाम में न तो प्रतीक रूप में मूर्ति की अनुमति है और न ही मूर्ति पूजा की। लेकिन इस्लाम पंथ को मानने वाले यह नहीं सोचते कि वे इस्लाम का कर्मकांड, शिया पंथ पर कैसे लाद सकते हैं? न्याय के लिए जिस प्रकार का युद्ध कर्बला के मैदान में लड़ा गया था, क्या उनके पास इतिहास का कोई ऐसा गौरवशाली क्षण है। हिंदुस्तान के बारे में दुनिया भर के शिया पंथियों का एक नरम कोना है। जिस समय मुसलमान हजरत अली के परिवार को बेरहमी से मार रहे थे और दुनिया के बाकी लोग महज तमाशा देख रहे थे, उस समय मोहयाल ब्राह्मणों का एक वर्ग हुसैन के पक्ष में मुसलमानों से लड़ा था। न्याय की इस लड़ाई में अनेकों मोहयाल ब्राह्मणों ने भी बलिदान दिया था।

कुछ अलग

हिंदी लेखक प्रा. लि. कंपनियां

जीवन के हर क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं। हिंदी साहित्य भला परिवर्तन की इस क्रांति से कैसे अछूता रह सकता है, सो यहां भी लिखने के कारखाने खुल गए। फैक्ट्रियां चल निकलीं, अनेक लेखकों ने प्राइवेट लिमिटेड कम्पनियां बना डालीं। वहां हर तरह के माल का उत्पादन होने लगा। एक ही लेखक से कविता, कहानी, व्यंग्य, उपन्यास, आलोचना, फिल्म, खेल, महिला, बालोपयोगी तथा रसोईघर से सम्बन्धित सामग्री अब ली जा सकती है। लेखक एक है, नाम अनेक हैं। अनेक लेखक तो ऐसे भी निकले जिन्होंने अखबारों की आवश्यकता को देखते हुए समसामयिक राजनीतिक सामग्री के अलावा ज्योतिष, रहस्य-रोमांच, विज्ञान तथा ब्रह्माण्ड से सम्बन्धित विषयों पर भी लिखा। प्रा. लि. कम्पनियों का उद्भव और विकास ज्यादा पुराना नहीं है। पहले के लेखक बेवकूफ थे। वे बड़ा क्लासिक व स्तरीय साहित्य मिशनरी रूप में लिखते रहे। अब न तो कोई महाकाव्य लिखता है और न ही कोई खण्डकाव्य। जिन कार्यों में मेहनत होती है, उसे छोड़ कर शार्टकट अपनाए गए तथा कम समय में स्थापित होने की ललक बढने लगी। यह कम्पनियां उद्भव के साथ ही विकसित हो गईं। प्रारम्भ में इस क्षेत्र में वे लोग आए जो सभी विषयों पर लिखा करते थे। वे महापुरुषों के अनमोल वचन तथा चुटकले तक भी लिख लेते थे-अतः उन्हें अपने अकेले नाम के अलावा दूसरे नामों की जरूरत हुई। उन्होंने घर के सदस्यों के नामों से तथा अन्य पैर नेम्स से लिखना शुरू किया। समाचार-पत्रों व पत्रिकाओं के सम्पादकों को बड़ी सुविधा हो गई। उन्हें व्यर्थ की माथाफोड़ी नहीं करनी पड़ी। वे लोग इन कम्पनियों से प्राप्त माल को सम्पादित (ट्रेरड मार्का) समझकर सीधे ही प्रेस में देते रहे और ये प्रा. लि. एक लेखकीय कम्पनियां चल पड़ीं। इनके विकास में उन सम्पादकों ने योगदान दिया, जो स्वयं भी लेखक थे। उन्होंने एक-दूसरे को माल की सप्लाई शुरू की तो वे असली लेखक उजडने लगे जो लेखन को बड़ी गंभीरता व मेहनत के साथ अपनाए हुए थे। इन कम्पनियों के प्रचलन से छोटे लेखक बरबाद होने लगे तथा कम्पनियों में निर्मित माल की खपत बढने लगी। इनका उद्भव और विकास रचनाओं के मिलने वाले पारिश्रमिक से भी हुआ। आजकल छोटे-बड़े सभी पत्र प्रकाशित रचनाओं पर अपने लेखकों को पारिश्रमिक देने लगे हैं। इसका प्रभाव भी लेखन कम्पनियों पर पड़ा। यही नहीं, इनके संचालकों ने नए लेखकों से सस्ती दरों पर उनका माल खरीदना तथा पत्र-पत्रिकाओं को महंगी दर पर बेचना प्रारम्भ कर दिया है। इन कम्पनियों की सफलता के पीछे जो सबसे बड़ा कारण रहा, वह था, पारिश्रमिक का आदान-प्रदान। तू मेरी छाप-मैं तेरी छापूं। इसके अलावा सम्पादकों ने लेखकों से बारगेनिंग करके भी प्राइवेट कम्पनियों के कारोबार को फूला-फलाया। इस व्यवस्था में लोग शनैः शनैः इधर-उधर से मारकर भी लिखने लगे और सांठ-गांठ के आधार पर छपने लगे। छद्म लेखन व महिला लेखन को इस दिशा में प्रोत्साहित किया गया तथा नकली लोग नाम व दाम बटोरने लगे। इस व्यवसाय में उन लोगों की रुचि बढ़ति गई, जो तनिक भी मीडिया से जुड़े हुए थे। स्वायत्तशासी संस्थाओं के जन सम्पर्क अधिकारी, बैंकों के राजभाषा अधिकारी, आकाशवाणी एवं दूरदर्शन के कार्यक्रम अधिशाषी समन्वयक।

देश दुनीया से

भारत की कूटनीति से पस्त हुआ कनाडा

बड़े बेआबरू होकर तेरे कूचे से हम निकले, बहुत निकले मेरे अरमान मगर फिर भी कम निकले'। मिर्जा गालिब की यह पंक्ति कनाडा के वजीरे आजम 'जस्टिन ट्रूडो' पर सटीक बैठ रही है। वोट बैंक की सियासत में नाबिना होकर कनाडा की सत्ता पर काबिज रहने की हसरत में ट्रूडो अपनी गैर जिम्मेदाराना बयानबाजी से भारत की सरेआम मुखालफत कर बैठे। अपनी सियासी जमीन को मजबूत करने के लिए ट्रूडो ने कनाडा को भारत विरोधी चरमपंथ की दारुल हुकूमत बना डाला। कनाडा की खूफिया एजेंसियों तथा विदेशी ताकतों के इशारे पर बिना किसी पुख्ता सबूत के भारत पर कई बेतुके इल्जाम लगा दिए थे। कनाडा में शरण ले चुके आतंकियों की हलाकत के लिए भी भारत को ही जिम्मेदार ठहरा दिया। कनाडा की खूफिया एजेंसी 'कम्युनिकेशन सिक्योरिटी एस्टैब्लिशमेंट' ने अपने मुल्क को खतरा पैदा करने वाले ईरान, चीन, रूस व उत्तर कोरिया जैसे देशों की फेहरिस्त में भारत को भी शामिल कर लिया। लेकिन ट्रूडो को जब भारत की कूटनीतिक हैसियत का एहसास हुआ, तब तक देर हो चुकी थी। वैश्विक मंचों पर भारत की मुखालफत का नतीजा यह हुआ कि ट्रूडो को कनाडा के वजीरे आजम पद से इस्तीफा देना पड़ा। दरअसल जस्टिन ट्रूडो को भारत विरोधी हिकारत भरा नजरिया अपने वालिद व कनाडा के साबिक वजीरे आजम 'पियरे ट्रूडो' से विरासत में मिला है। स्मरण रहे कि अपनी सियासी पकड़ मजबूत करके सत्ता हासिल करने के लिए मालदीव के सदर मोहम्मद मुइज्जु ने भी 'इंडिया आउट' का नारा देकर भारत विरोधी राग अलापा था, मगर मुइज्जु भली भांति जानते थे कि मालदीव के लोकतंत्र को महफूज रखने के लिए तथा वहां की अर्थव्यवस्था को गुलजार करने में हिंदोस्तान का खुसूसी किरदार है। हिंदोस्तान की सैन्य सलाहियत व आर्थिकी से भी मुइज्जु मुखातिब थे। मुइज्जु के भारत विरोधी बयानों के रद्देअमल में जब भारतीय पर्यटकों ने मालदीव का बायकॉट किया तो वहां के अर्थतंत्र का तवाजुन बिगडने लगा। नतीजतन मालदीव की सत्ता हासिल करने के बाद मुइज्जु के सुर व लहजा दोनों बदल गए। मालदीव का सदर बनने के बाद भारत विरोधी बयानों से यूटर्न लेकर मोहम्मद मुइज्जु हिंदोस्तान की शरण में आ गए ताकि भारत व मालदीव के रिश्ते बेहतर रहें तथा कर्ज के बोझ में डूब चुके मालदीव की आर्थिक स्थिति में भी सुधार हो सके। सन 2022 में श्रीलंका को आर्थिक संकट से निकालने में भारत ने अहम योगदान दिया था। सितंबर 2024 में श्रीलंका के राष्ट्रपति बनते ही वामपंथी 'अनुरा कुमारा दिसानायके' भी भारत की शरण में पहुंचे। श्रीलंका की मौजूदा प्रधानमंत्री 'हरिनी अमरसूर्या' ने दिल्ली विश्वविद्यालय से ही शिक्षा प्राप्त की है। अतः श्रीलंका के हुक्मरान भी भारत की अहमियत से मुखातिब हैं। अपने बारूद की ताकत से कायनात का तवाजुन बिगाडने की सलाहियत रखने वाले अमेरिका, फ्रांस, इजरायल व रूस जैसे ताकतवर मुल्क भी भारत की कूटनीति व सैन्य ताकत का लोहा मानते हैं। मगर पिछले नौ वर्षों से कनाडा की सत्ता पर काबिज रहने के बावजूद जस्टिन ट्रूडो भारत की विदेश नीति व कूटनीतिक ताकत को भांपने में नाकाम रहे। चार लाख से अधिक भारतीय छात्र कनाडा के शिक्षण संस्थानों में पढ़ाई करते हैं। दीगर मुल्कों की निस्बत भारतीय छात्रों का ये आंकड़ा बहुत अधिक है।

कनाडा के शिक्षण संस्थानों की अर्थव्यवस्था को गुलजार करने में भारतीय छात्रों की महत्वपूर्ण भूमिका है। कनाडा के शिक्षक वर्ग का रोजगार भी भारतीय छात्रों की महंगी फीस पर ही निर्भर करता है। कनाडा की मइशत को वहां के लाखों भारतीय प्रवासी लोग अपनी मेहनत से मजबूत कर रहे हैं। मगर विश्व की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था में शुमार भारत कनाडा की किसी भी चीज पर निर्भर नहीं है। हालात ये हैं कि कनाडा के तालीमी इरादों की तरफ भारतीय छात्रों का बढ़ता रुझान काफी हद तक कम हो रहा है। ट्रूडो की हुकूमत में कनाडा के हिंदू धर्मस्थलों पर भारत विरोधी स्लोगन लिखे गए। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगे' का अपमान किया गया। भारत की दिग्गज सियासी लीडर व साबिक वजीरे आजम इंदिरा गांधी के कत्ल का सरेआम जश्न मनाया गया। सनातन धर्म के जज्बातों को भडक़ाने तथा लोगों की धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचाने की कारकर्दगी पर भी ट्रूडो के लब-ए-इजहार पर खामोशी थी। कनाडा की सरजमीं पर भारत विरोधी गतिविधियों को अभिव्यक्ति की आजादी करार दिया गया। हालांकि ट्रूडो के भारत विरोधी बयानों से कनाडा की आवाम भी खफा थी। अपने ही सियासी दल में विरोधी सुर उठने लगे थे। चरमपंथ व कट्टरवाद की हिमायत जस्टिन ट्रूडो के सियासी करियर पर कुठारघात साबित हुई। भारत विरोधी अलगाववादी ताकतों से ट्रूडो की रफाकत ने कनाडा की सियासी हरारत को इस हद तक बढ़ा दिया जिसका विकल्प ट्रूडो का इस्तीफा ही था। खुद को कनाडा की सियासत का चतुर खिलाड़ी समझने वाले जस्टिन ट्रूडो भारत की डिप्लोमेटिक स्ट्राइक के आगे अनाड़ी साबित हुए। लिहाजा विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत को अस्थिर करने का ख्वाब देखने वाली देशी व विदेशी ताकतों को भारत की कूटनीति से पस्त हुए कनाडा व मालदीव जैसे मुल्कों से सबक लेना होगा।

विश्व को अमन का पैगाम देने वाले बुद्ध, महावीर, नानक व महात्मा गांधी जैसे महापुरुषों की कर्मभूमि रहा भारत एटमी कूवत से लैस मुल्क व विश्व की चौथी सैन्य ताकत तथा पांचवीं अर्थव्यवस्था की हैसियस रखता है। अलबत्ता भारत अपने राष्ट्रीय हितों व स्वाभिमान से कभी समझौता नहीं करेगा। बहरहाल जस्टिन ट्रूडो के दौरे हुकूमत में कनाडा के गुलिस्तां में चरमपंथ के जो जहरीले शजर उगे हैं, उनमें अमन के गुल नहीं खिलेंगे। अतः भारत को 'शठे शाठ्यम समाचरेत' नीति से ही जवाब देना होगा, ताकि हिंदोस्तान का राष्ट्रवादी संकल्प व इकबाल हमेशा बुलंद रहे। भारत विरोधी विचारधारा कनाडा की सियासत में गहरी पैठ बना चुकी है। दोनों मुल्कों के बिगड़े ताल्लुकात एक मुद्दत तक खुशहाल नहीं हो सकते।

आप का नजरीया

बस अब और नहीं

कैडर की समीक्षा में सुक्खू सरकार के दरवाजे पर राष्ट्रीय प्रशासनिक सेवाओं का प्रवेश, जरूरत और सुविधा के ऊपर निर्भर कर रहा है। प्रशासनिक सफर की कहानी में यूं तो वर्षों से ब्यूरोक्रेसी की राष्ट्रीय पहचान इंगित होती रही है, लेकिन राज्य के अपने सरोकार मिट्टी के लालों से कहीं अधिक फलीभूत होते हैं। सरकार की मशीनरी में कितना बोझ, कितना वित्तीय दबाव है, इसकी एक परख वर्तमान सरकार के फैसले से हो रही है। सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार की ओर से स्पष्ट किया गया है कि अब राष्ट्रीय प्रशासनिक कैडर में 'बस अब और नहीं' की स्थिति है। हिमाचल के प्रशासनिक ढांचे में 153 आईएएस अधिकारियों की भागीदारी अब ऐसी सीमा रेखा बना चुकी है, जहां काम का बंटवारा और राज्य कैडर का संतुलन बहुत कुछ कहता है। प्रयास धूमल सरकार ने भी किए थे। बतौर मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल ने हिमाचल के फलक पर प्रदेश कैडर के प्रशासनिक अधिकारियों के दायित्व और अधिकार बढ़ाने के अलावा सचिवालय की कार्यसंस्कृति को मांजने और फेंटने का प्रयत्न भी किया था, लेकिन सरकारों की ग्रंथियां स्थानांतरण नीति पर बेहाल रहती हैं। कैडर जो भी हो, इसके इस्तेमाल की निपुणता ही आखिर में साबित होती है। प्रदेश में कई आईएएस, आईपीएस, एचएएस और एचपीएस अधिकारी ही नहीं, बल्कि तमाम टेक्नोक्रेट भी सरकारों के प्रदर्शन को चार चांद लगाते आए हैं। कई ऐसे डाक्टर मिल जाएंगे, जो डिस्पेंसरी तक को श्रेष्ठ बना देते हैं और कई ऐसे भी होते हैं जो मेडिकल कालेज तक को नरक बना देते हैं। अगर एक स्वतंत्र एवं निष्पक्ष स्थानांतरण नीति व इसके नियम स्थापित हो जाएं, तो सुशासन का कारवां शिमला से निकलकर पांगी, सिरमौर और किन्नौर तक सकुशल पहुंच जाएगा, वरना कई जिलाधीश सिर्फ सत्ता की धूप सेंकते मिल जाएंगे। ऐसे पुलिस अधिकारी भी बढ़ गए हैं जो मात्र वीआईपी ड्यूटी में ही चमकते हैं। ऐसे में प्रदेश सचिवालय की फाइलों से ट्रांसफर की नोटिंग गायब कर दी जाए, तो कई अधिकारी लौहपुरुष और पुरुषार्थ के मसीहा बन जाएंगे, वरना राजधानी की प्रशासनिक चुगलियां अक्सर सरकारों के कानों को कच्चा कर देती हैं। सरकारी कार्यसंस्कृति का मूल्यांकन अब कहां होता है और इसलिए भी कि हर जनप्रतिनिधि को अपने आजू-बाजू सिर झुकाए अधिकारियों की फौज चाहिए। ऐसे एमएलए मिल जाएंगे जो जनता में रौब जमाने के लिए रोज अधिकारियों की अदालत सजाते हैं। कुछ इसी तरह का अभिप्राय भाजपा के जनमंच कार्यक्रम से भी निकला, जहां दफ्तर की रूटीन सार्वजनिक मंच की तलाशी हो गई और कई जनप्रतिनिधियों का शगल सिर्फ अधिकारियों को दुत्कारने का हो गया। अधिकारियों और कर्मचारियों को कर्मयोगी बनाने से पहले उनके कर्म की परिभाषा को स्थानांतरण के खौफ से दूर करना होगा, लेकिन नीति और नियमों की परिपाटी में सचिवालय कैडर को भी राज्य में तकसीम करना पड़ेगा। इस दिशा में जब सुक्खू सरकार जिस तरह और जिस गति से जिला कैडर समाप्त करती हुई, सभी को राज्य सेवा के परिदृश्य में खड़ा कर रही है, साहसिक व प्रशंसनीय है। इसी तर्ज पर सचिवालय कैडर को रिवर्स करके इन्हें भी राज्य स्तरीय करना होगा।

महाकुंभ आए हैरी पॉटर बोले, अब जाकर जाना आखिर क्यों है भारत इतना महान

महाकुंभ नगर (हिंस)। महाकुंभ में मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत का साक्षी बनने और इस समृद्ध विरासत की एक झलक देखने की लालसा केवल भारतीयों में ही नहीं, दुनिया भर के लोगों में है। यही कारण है कि सकल विश्व से लोग महाकुंभ के महाआयोजन का साक्षी बनने स्वत: ही खिंचे चले आ रहे हैं। इसी क्रम में, कुछ दिनों पहले एक वीडियो वायरल होता है जिसमें एक विदेशी शख्स भंडारे से मिला खाना बड़े चाव से खाता दिखता है और लोग उसे हैरी पॉटर की संज्ञा देते हुए प्रचारित करना शुरू कर देते हैं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियोज में हैरी पॉटर फेम यह शख्स कोई और नहीं, इटली के निकोलो ब्रूग्नारा हैं। महाकुंभ में मिल रहे फेम का आनंद लेते हुए निकोलो महाकुम्भ, यूरोप, भारत, योग और योगी सरकार के बारे में भी कई बातें बताते हुए मुक्त कंठ से तारीफ करते हुए नहीं थकते हैं। निकोलो इटली की न्यूज एजेंसी द्वारा बतौर कैमरामैन महाकुंभ मेला कवर करने आए हैं और यहां महाकुंभ पर बन रही एक डॉक्यूमेंटरी का भी हिस्सा हैं। वह आए तो थे महाकुंभ की खबरें कवर करने, तस्वीरें खींचने। मगर अब खुद खबर बन गए हैं और इसका कारण सोशल मीडिया से मिल रही पॉपुलैरिटी है। लोग उनके साथ सेल्फी लेने, रील्स बनाने और इंटरैक्ट करने को बेताब हैं और निकोलो ने खुद कभी नहीं सोचा था कि अपने देश से दूर वह इस तरह फेमस हो जाएंगे। निकोलो ब्रुग्नारा खुद को बेहद भाग्यशाली मानते हैं कि इटली से वह महाकुंभ की कवरेज करने आए। उनके अनुसार, एक सीमित क्षेत्र में करोड़ों लोगों का यूं जुटना, स्नान-पूजन व ध्यान करना और छिटपुट घटनाओं के इतर इतने समायोजित तरीके से पूरी प्रक्रिया का प्रबंधित होना किसी अचरज से कम नहीं है। उनके अनुसार, भारत की महानता इसी बात में है कि भारत सबको बड़े प्यार से अपना अंग बना लेता है। यहां करोड़ों लोग जिस प्रकार स्वयं जुटकर शांतिपूर्वक पूजा-अराधना कर रहे हैं यह अकल्पनीय दृष्य है। उनका मानना है कि यूरोप में तो इस तरह के दृष्य के बारे में सोचा भी नहीं जा सकता है, क्योंकि आबादी के

साथ ही व्यवहार के लिहाज से भी यूरोपीय देशों के लिए इतने विशाल जनसमुद्र को समायोजित करना असम्भव है। निकोलो ने महाकुंभ के आयोजन को लेकर डबल इंजन की सरकार और विशेषकर योगी सरकार व स्थानीय मेला प्रशासन की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि वह खुद योग प्रैक्टिशनर हैं और उन्हें पता है कि योग की शक्ति से क्या कुछ नहीं हो सकता। सीएम योगी की कार्यप्रणाली से प्रभावित दिखे निकोलो का मानना है कि जो योगी कर सकते हैं वह किसी और के बस की बात नहीं है। निकोलो को इस बात पर अचरज है कि उन्होंने तो कभी खुद की तुलना हैरी पॉटर का किरदार निभाने वाले एक्टर डैनियल रैडक्लिफ से नहीं की। उनके अनुसार, डैनियल से कहीं ज्यादा सुंदर तो वह खुद हैं, मगर सोशल मीडिया पर भंडारे का खाना खाते किसी शख्स ने उनका वीडियो वायरल कर दिया और तभी से वह हैरी बनकर महाकुंभ में जादुगरी के मिथकीय विश्वविद्यालय हॉगवर्ड्स का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। निकोलो महाकुंभ यह सोचकर आए थे कि उनकी खींची तस्वीरें उन्हें प्रसिद्धि दिलाएगी। मगर, महाकुंभ में मिल रही पॉपुलैरिटी को चमत्कार मानते हुए निकोलो का कहना है कि उन्होंने कभी इस तरह लोगों के आकर्षण का केंद्र बनने की बात नहीं सोची थी। उनके अनुसार, लोगों से मिल रहा प्यार अभिभूत कर देने वाला है। उन्होंने किस्से-कहानियों में सुना था कि भारत चमत्कार का देश है और अब एक चमत्कार ने ही उनकी जिंदगी बदलकर रख दी है।

बसंत पंचमी पर होगा श्रीराम जानकी सर्वजातीय सामूहिक विवाह समारोह

जोधपुर (हिंस)। सेवा भारती समिति जोधपुर की ओर श्रीराम जानकी सर्वजातीय सामूहिक विवाह समारोह 2025 का आयोजन बसंत पंचमी पर रविवार को आदर्श विद्या मंदिर केशव परिसर कमला नेहरू नगर में होगा। इसमें 23 जोड़े परिणय सूत्र में बंधेंगे। सेवा भारती समिति जोधपुर महानगर के अध्यक्ष अशोक अग्रवाल ने बताया कि हिंदू संस्कृति के 16 संस्कारों में विवाह (पणिग्रहण) संस्कार एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है लेकिन वर्तमान में विवाह समारोह में आर्थिक प्रदर्शन एवं दहेज प्रथा की समस्याओं के कारण विवाह संस्कार जटिल हो गया है जिसके चलते सामान्य व्यक्ति वैवाहिक आयोजन में कठिनाई अनुभव करने लगा है, इसलिए सेवा भारती सर्व सामान्य वर्ग को आडंबरपूर्ण आर्थिक आयोजन एवं लेन-देन (दहेज) से मुक्ति दिलाकर समस्त समाज को स्वाभिमान के साथ अपने पुत्र-पुत्रियों के विवाह का आयोजन एक साथ एक मंच पर करने का अवसर प्रदान कर रहा है। इस विवाह सम्मेलन

में राष्ट्रीय सेवा भारती के अखिल भारतीय स्वावलंबन प्रमुख विनोद कुमार बिड़ला व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत संघ चालक हरदयाल वर्मा उपस्थित रहेंगे। समिति के अध्यक्ष निर्मल गहलोत ने बताया कि सभी बारातें जूना खेड़ापति हनुमानजी मंदिर से रवाना होकर आखलिया चौराह होते हुए विवाह स्थल केशव परिसर में पहुंचेगी। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर सर्व समाज के पदाधिकारियों की ओर से बारातियों का स्वागत किया जाएगा। आयोजन को भव्य बनाने के लिए मातृशक्ति की समितियां बनाई गई है जिसमें कुटिया प्रमुख, रंगोली प्रमुख, मंगल गीत प्रमुख सहित अन्य जिम्मेदारियां सौंपी गई है। उन्होंने बताया कि सुबह दस बजे विवाह स्थल पर सभी बारातों का एक साथ स्वागत किया जाएगा। वहीं दोपहर 12 बजे से पणिग्रहण संस्कार शुरू होगा। उसके पश्चात प्रीतिभोज का आयोजन होगा। पणिग्रहण संस्कार के बाद वर-वधू का आशीर्वाद समारोह होगा। सेवा भारती की ओर से प्रत्येक वर-वधू को उपहार दिए जाएंगे जिसमें पलंग, गद्दा, अलमारी, सिलाई मशीन, कूलर, प्रेस, नाक की लांग, बिछिया, पायल, कंगन, मंगलसूत्र, बिछिया, वर के लिए पेंट-शर्ट सहित अन्य घरेलू व जरूरत का सामान उपहार में दिया जाएगा।

आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने तक जारी रहेगा धरना : कृष्ण

जींद (हिंस)। उचाना उपमंडल बिजली निगम कार्यालय में बिजली निगम के कर्मचारियों का धरना लगातार तीसरे दिन शुक्रवार को भी जारी रहा। धरने की अध्यक्षता कृष्ण जेई ने की तो मंच संचालन संजय गोयत ने किया। बीते दिनों नचार खेड़ा गांव में बिजली चोरी की शिकायत मिलने पर गई बिजली निगम की टीम के साथ ग्रामीणों द्वारा की गई मारपीट के आरोपियों की गिरफ्तार की मांग को लेकर बिजली निगम कार्यालय पर धरना दिया जा रहा है। शुक्रवार को दुर्जनपुर,उदयपुर सहित विभिन्न गांव के ग्रामीण एवं गणमान्य लोग पहुंचे। काफी देर तक धरना स्थल पर चली बातचीत के बाद बात सिरे नहीं चढ़ी। कृष्ण जेई ने कहा कि बिजली निगम के अधिकारी, कर्मचारी अपनी डूयटी निभाते है।

पंजाब के फिरोजपुर में पिकअप-कैंटर की टक्कर, नौ की मौत, 11 घायल

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के फिरोजपुर में आज सुबह पिकअप और कैंटर की टक्कर में नौ लोगों की मौत हो गई जबकि 11 लोग घायल हो गए। घायल व्यक्तियों में पांच की हालत गंभीर है। यह हादसा फिरोजपुर-फाजिल्का रोड पर गांव मोहन के उताड़ के पास हुआ। पिकअप में 25 से ज्यादा मजदूर सवार थे। इंस्पेक्टर जसविंदर सिंह बराड़ ने कहा कि यह हादसा संभवत: धुंध के कारण

हुआ। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। मजदूर फिरोजपुर से देहात एरिया की ओर जा रहे थे। जिला उपायुक्त दीप शिखा शर्मा ने नौ लोगों की मौत की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि सूचना मिलते ही तुरंत पांच एंबुलेंस भेजी गई। घायलों में से 10 को मेडिकल कॉलेज फरीदकोट और एक को जलालाबाद के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सभी शव जलालाबाद अस्पताल में रखे गए हैं।

तीन दिवसीय मुद्रा प्रदर्शनी शुरू

जोधपुर (हिंस)। मारवाड़ कॉइन सोसाइटी की तरफ से तीन दिवसीय मारवाड़ मुद्रा महोत्सव शुक्रवार को माहेश्वरी जनोपयोगी भवन रातानाडा में शुरू हुआ। यह प्रदर्शनी दो फरवरी तक चलेगी। प्रदर्शनी का उद्‌घाटन जोधपुर रेंज के आईजी विकास कुमार ने फीता काटकर किया। मारवाड़ कॉइन सोसाइटी जोधपुर अध्यक्ष राम स्वरूप विश्नोई ने बताया कि पहली बार जोधपुर में सोसाइटी की ओर से इस तरह का मुद्रा महोत्सव आयोजित किया गया है। इसमें शहरवासियों के लिए निशुल्क एंट्री रखी गई है। सुबह दस से शाम पांच बजे तक शहरवासी यहां आकर मुद्रा प्रदर्शनी को देख सकते हैं। इसमें पुराने रियासतकालीन सिक्के, मुगलकालीन, अंग्रेजी सरकार के समय से लेकर दो से पांच हजार साल पहले के सिक्के देखने के लिए रखे गए है। इसमें देश भर से मुद्रा कलेक्शन करने वाले करीब लोग शामिल हुए है।

योजना में अनियमितता के खिलाफ ग्रामीणों का प्रदर्शन

बेतिया (हिंस)। सरकार की सबसे महत्वकांक्षी योजना मनरेगा पूरे तरीके से भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुकी है। आयें दिन योजनाओं में अनियमितता व गड़बड़ी के मामले सामने आ रहे हैं। शुक्रवार को प्रखंड के पश्चिमी नौतन पंचायत के श्री राम खेल मैदान में हों रहे खेलों इंडिया खेलों बिहार मनरेगा के तहत खेल मैदान में जो काम हुआ है। उसमेभारी अनियमितता बरती गई है। पूर्वी नौतन पंचायत के खैरा टोला खेल में मिट्टी भराई कार्य व डबरिया पंचायत के चंद्रावत नदी के बांध के जीर्णोद्धार कार्य में अनियमितता को लेकर ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर रोश जताया है। प्रदर्शन कर रहे विपिन शर्मा, दशरथ शर्मा, बिट्टू कुमार,अवध कुमार, रामजीत मांझी, ब्यास कुमार, दिनेश कुमार, मुकेश पटेल,समसुल मियां, शाहिद मियां,लोकमत शर्मा, सद्दाम आलम, रेयाज अलम सहित दर्जनों ने बताया कि मिट्टी भराई के नाम पर मिट्टी का छिड़काव हों रहा है। डबरिया बांध के जीर्णोद्धार कार्य में एक दिन काम कराकर प्रतिदिन हाजिरी लगाई जा रही है। योजना के नाम पर लुट खसोट मचीं है। शिवराजपुर और डबरिया पंचायत में बांध के जीर्णोद्धार और बैकुंठवा पंचायत में पोईन की साफाई कार्य में भी अनियमितता की बात सामने आई है। जबकी जमुनिया पंचायत में मनरेगा से कराए जा रहे सड़क कार्यो में खुलेआम जे सी बी लगाया गया है। प्रदर्शनकारियों की मानें तो संचालित योजनाएं भ्रष्टाचार एवं अनियमितता के सारे रिकॉर्ड तोड़ चुकी हैं। आरोप लगाया कि विभागीय अधिकारियों की मिली भगत से मनरेगा योजनाओं में गड़बड़ी खेल चल रहा है। इस बावत पीओ रंजीत कुमार ने बताया कि पुर्वी नौतन पंचायत के खैरा टोला खेल मैदान की फाइल बंद कर दी गई। वहीं पश्चिमी नौतन खेल मैदान के कार्यो की सत्यता की जांच की जा रही। साक्ष्य मिलने पर काम बंद कर दिया जाएगा। वहीं अन्य पंचायतों में संचालित योजनाओं की जांच कर विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

धूमधाम से मनाई श्री श्रीयादे माता की जयंती, शोभायात्रा निकली

जोधपुर (हिंस)। कुम्हार (प्रजापति) समाज की आराध्य देवी भक्त शिरोमणि श्री श्रीयादे माता की जयन्ती शुक्रवार को धूमधाम से श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इसके तहत श्री श्रीयादे माता जयन्ती महोत्सव समिति द्वारा शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में शामिल आकर्षक झांकियों ने शहरवासियों का मन मोह लिया। शोभायात्रा का कई जगहों पर स्वागत किया गया। महोत्सव समिति के अध्यक्ष धर्मेन्द्र गुड़िया ने बताया कि आज सुबह श्री श्रीयादे माता मन्दिर रातानाडा से शोभायात्रा रवाना हुई। महासचिव महेन्द्र कुमार घोडेला ने बताया कि शोभायात्रा रातानाडा से प्रारम्भ होकर नई सड़क, घंटाघर, कन्दोई बाजार, कटला बाजार, सिटी पुलिस, सर्राफा बाजार, आडा बाजार, कुम्हारियां कुआं, जालोरी गेट, गोल बिल्डिंग, सरदारपुरा बी रोड होते हुए गांधी मैदान पहुंचकर विसर्जित हुई। सचिव भंवरलाल ओडिया ने बताया कि शोभायात्रा में सामाजिक, धार्मिक, देशभक्ति से ओत प्रोत जिसमें फाइटर विमान, भारतीय कमाण्डो तोप सहित एवं शैक्षणिक, धार्मिक व आकर्षक झांकियों का समावेश रहा। इसके साथ ही भजन मण्डलियां, मिकी माउस, छोटा भीम, पंजाब का अनोखा भांगड़ा डांस, जोधपुर की प्रसिद्ध बैंडों द्वारा मधुर स्वर लहरिया, सोजत सिटी की सुप्रसिद्ध कच्छी घोड़ी नृत्य आकर्षण का केंद्र बनी रही। शोभायात्रा में

प्रजापति समाज के हजारों स्त्री पुरुष श्रीयादे माता के जैकारे लगाते चल रहे थे। शोभायात्रा में झांकियों के साथ ही ऊंट, घोड़े, रथ के अलावा व्यायामशाला के कार्यकर्ताओं द्वारा हैरतअंगेज व्यायाम प्रदर्शन किए गए। साथ ही शोभायात्रा में नौपत शहनाई व विभिन्न बैंडों द्वारा मधुर ध्वनि से स्वर लहरियां बिखेर रहे थे। शोभायात्रा को लेकर कुम्हार समाज के स्त्री पुरुष व बच्चों में जबरदस्त देखा गया। पुलिस ने शोभायात्रा को देखते हुए यातायात की विशेष व्यवस्था बनाए रखी। शोभायात्रा में शहर के अलग-अलग प्रखंडों से आई शोभायात्रा और झांकियां सम्मिलित हुई। झालामंड स्थित श्रीयादे माता पावन धाम पर शुक्रवार को ीयादे माता मंदिर सहित भगवान नृसिंह का विशेष श्रृंगार किया गया। शोभायात्रा झालामंड चौराहा स्थित महाकालेश्वर मंदिर से रवाना होकर झालामंड धाम पहुंचकर संपन्न हुई। इसमें कच्छी घोड़ी नृत्य भी आकर्षण का केंद्र रही। इसके बाद महाप्रसादी हुई। जयंती महोत्सव के तहत रक्तदान शिविर, नशा मुक्ति कैम्प के आयोजन भी किए गए।

महाकुंभ में आकर अपार शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा मिली : वसुंधरा राजे सिंधिया

महाकुंभ नगर (हिंस)। परमार्थ निकेतन शिविर में राजस्थान की 24 वीं मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया आयी। उन्होंने स्वामी चिदानन्द सरस्वती और साध्वी भगवती सरस्वती का आशीर्वाद लिया और परमार्थ त्रिवेणी पुष्प एवं परमार्थ निकेतन शिविर का दर्शन किया। वसुंधरा राजे सिंधिया परमार्थ निकेतन शिविर में पहुंचकर भगवान श्रीराम के दर्शन किए। उन्होंने कहा कि इस पवित्र मेला में आकर उन्हें अपार शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा मिली है। परमार्थ निकेतन शिविर में पूज्य संतों के दर्शन, सत्संग, ध्यान, योग और प्रवचन में सहभाग कर आत्मिक शांति का अनुभव किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजनों से समाज में आपसी भाईचारे और सहयोग की भावना को बढ़ावा मिलता है। स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने कहा कि महाकुंभ मेला दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक और आध्यात्मिक आयोजन है, जिसमें लाखों लोग एकत्रित होते हैं और अपनी आत्मा की पवित्रता के लिए स्नान करते हैं। परमार्थ निकेतन शिविर का यह पवित्र स्थल श्रद्धालुओं को आत्मिक शांति और समाज के लिए समर्पण की प्रेरणा देता है। उन्होंने बताया कि इस शिविर का उद्देश्य न केवल धार्मिक जागरूकता फैलाना है, बल्कि यह जीवन के हर पहलू में संतुलन और सादगी की ओर मार्गदर्शन प्रदान करता है। साध्वी भगवती सरस्वती ने अपने संदेश में कहा कि परमार्थ निकेतन शिविर समाज में सेवा, शांति और समृद्धि की भावना फैलाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। राजस्थान की 24 वीं मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया ने महाकुंभ मेला की व्यवस्थाओं को देखकर प्रसन्नता व्यक्त करते हुये कहा कि यह सामाजिक एकता और मानवता के संदेश को भी प्रसारित करने वाला दिव्य महोत्सव है।

मैं लड़ा-इसलिए हम सत्ता में आए, आज भी मेरा अपमान हो रहा : कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा

जयपुर (हिंस)। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने शुक्रवार को अपनी ही सरकार को कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राज में मेरा अपमान हुआ, अब भाजपा राज में भी मेरा अपमान किया जा रहा है। आज का समय मिलावट का है। हां में हां करते जाएंगे तो रिश्ते लंबे चलेंगे। यही होता है। हां जी के दरबार में जो हां जी नहीं करेगा, वह मरेगा। मेरी हां कहने की आदत नहीं है। मैं जो कहता हूं, सच कहता हूं। डॉ. मीणा ने दावा किया है कि पांच साल तक विपक्ष की भूमिका भी सिर्फ उन्होंने निभाई और उनके संघर्ष की वजह से भाजपा प्रदेश की सत्ता में आई है। वे शुक्रवार को विधानसभा परिसर में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। किरोड़ीलाल ने कहा कि कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की बातों में नहीं जाता, लेकिन भ्रष्टाचार के मामले हैं। ऐसे मामले जिनमें युवा आज आस लगाए बैठा है, उस पर कार्रवाई होनी चाहिए। मीणा ने कहा कि बीसलपुर बांध से गाद निकालने का ठेका दिया। ढाई सौ किलोमीटर तक गाद नहीं, बजरी निकाली जा रही है। सात करोड़ रुपए की बजरी रोजाना निकाली जा रही है। हमारी आंखों के सामने निकाली जा रही है। ऐसे बहुत मामले हो रहे हैं। किरोड़ी के तेवर देखकर कानून मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि माफिया पर नकेल कसने का काम पूरा हो रहा है। पेपर लीक के मुद्दे पर सरकार ने कार्रवाई की है, जो दोषी पाए गए हैं, उनको जेल में डाला है। सस्पेंड किया है। कांग्रेस राज में जिन-जिन परीक्षाओं में भ्रष्टाचार हुआ, उसके खिलाफ कार्रवाई हुई है। कुछ दिन पहले सचिन पायलट ने तंज कसा था। उन्होंने कहा था कि जबसे सरकार बनी है किरोड़ी दुविधा में हैं। उन्होंने विपक्ष में रहते हुए मेहनत की थी, उसके अनुपात में उन्हें न पद मिला और न ही विभाग। इस्तीफा रिजेक्ट भी नहीं किया और स्वीकार भी नहीं किया।

केजरीवाल चलाते हैं झूठ की दुकान : देवेंद्र अत्री

जींद (हिंस)। उचाना से भाजपा से विधायक बने देवेंद्र चतरभुज अत्री ने शुक्रवार को उचाना हलके के पालवां, करसिंधु, खरकभूराए अलीपुरा, गुरूकुल खेड़ा सहित विभिन्न गांव के दौरे किए। धन्यवादी दौरों के तहत वो चौपालों में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे। यहां ग्रामीणों को संबोधित करने के साथ-साथ उनकी समस्याओं को सुना। दिल्ली चुनाव में चल रहे यमुना के पानी को लेकर विवाद पर आप प्रमुख एवं पूर्व सीएम दिल्ली अरविंद केजरीवाल पर विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री ने निशाना साधते हुए उन्हें झूठा, फरेबी एवं झूठ की दुकान बताया। खरकभूरा गांव में सुरेंद्र अत्री के आवास पर पत्रकारों से बातचीत में अत्री ने कहा कि हर व्यक्ति जानता है कि हरियाणा और दिल्ली एक है एक परिवार है। हर व्यक्ति उसको झूठ की दुकान बोलता है। हर व्यक्ति समझता है झूठे, फरेबी लोगों को। आज हर व्यक्ति समझदार हो चुका है।

संगम तीरे नाई समाज के हाथों से सजी महाकुंभ की दिव्यता और संस्कृति

महाकुंभ नगर (हिंस)। महाकुंभ के पावन अवसर पर जहां देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालु संगम तट पर मोक्ष की तलाश में पहुंच रहे हैं वहीं नाई समाज अपनी निष्ठा और परम्परागत सेवाओं के साथ इस भव्य आयोजन का अभिन्न हिस्सा बना हुआ है। संगम घाट पर केश त्याग संस्कार से लेकर साधु-संतों की सेवा तक नाई समाज की उपस्थिति महाकुंभ की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक धारा को और भी प्रखर बना रही है। महाकुंभ में नाई समाज न केवल अपने पारम्परिक कर्तव्यों का पालन कर रहा है, बल्कि आधुनिकता की ओर भी कदम बढ़ा रहा है। यह समाज अपने अतीत की जड़ों को मजबूती से थामे हुए एक उज्जवल भविष्य की ओर अग्रसर है। *हिंदुस्थान समाचार* से खास बातचीत में संगम तट पर बैठे नाई रामभुवन शर्मा कहते हैं कि महाकुंभ आता रहेगा, परम्पराएं चलती रहेंगी

और नाई समाज अपने सेवाभाव से इस पवित्र आयोजन को सदा गौरवशाली बनाए रखेगा। समर्पण और सेवा का भाव नाई समाज की सबसे बड़ी विरासत है। महाकुंभ केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और परम्परा का जीवंत उदाहरण है। महाकुंभ में नाई समाज की भूमिका केवल सेवा प्रदाता की नहीं, बल्कि एक संस्कृति वाहक की भी है। सेक्टर-4 में फैले महाकुंभ में उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न राज्यों से 50,000 नाई संगम घाट पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। नाई समाज का इतिहास जितना समृद्ध है, उतना ही प्राचीन भी। ऋग्वेद और पुराणों में नाई समाज का उल्लेख मिलता है। कभी यह समाज राजाओं के दरबारों में केश सज्जा और मालिश विशेषज्ञ के रूप में प्रतिष्ठित था तो कभी युद्ध के मैदान में योद्धाओं को तैयार करने का कार्य करता था। वैदिक काल में आयुर्वेदिक चिकित्सा में भी नाई समाज की भूमिका महत्वपूर्ण थी। महाकुंभ के दौरान केश त्याग की परम्परा भी इसी समाज की बदौलत जीवंत बनी हुई है। नाई चंद्रनाथ शर्मा बताते हैं कि हमारे पूर्वजों ने सदियों तक संतों और श्रद्धालुओं की सेवा की है। जब कोई व्यक्ति गंगा में स्नान कर अपने पुराने पापों को धोता है तो वह अपने पुराने केश भी त्याग देता है। यह आत्मशुद्धि का प्रतीक है और हमें इस सेवा का अवसर मिलना किसी पुण्य से कम नहीं है। महाकुंभ में केश त्याग अनुष्ठान को अत्यंत पवित्र माना जाता है। पिछले 30 वर्षों से महाकुंभ में सेवा दे रहे राजेश कुमार शर्मा ने बताया कि हमारे लिए यह सिर्फ काम नहीं, बल्कि पुण्य का कार्य है। जब श्रद्धालु अपने केश का त्याग करते हैं तो वे हमें आशीर्वाद भी देते हैं। यह परम्परा सदियों से चली आ रही है और हमें गर्व है कि हम इस संस्कृति का हिस्सा हैं। साधु-संतों और नागा संन्यासियों की सेवामहाकुंभ में नागा संन्यासियों का आकर्षण सबसे अलग होता है, लेकिन इन संन्यासियों की साधना और धार्मिक अनुष्ठान नाई समाज की सेवाओं के बिना अधूरे रहते हैं। नागा संन्यासियों के विशिष्ट केश और दाढ़ी सज्जा, गज कट (मस्तक के आगे बाल कटवाने की विधि) और संन्यास लेने से पहले केश त्याग जैसे अनुष्ठानों में नाई समाज का योगदान अनिवार्य होता है। प्रयागराज के 55 वर्षीय नाई हरिशंकर ठाकुर बताते हैं कि हम नागा संन्यासियों की सेवा बचपन से करते आ रहे हैं।

बीपीएससी की 70 वीं पीटी परीक्षा को लेकर पटना हाईकोर्ट में सुनवाई टली

पटना (हिंस)। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) 70वीं प्रारंभिक परीक्षा (पीटी) मामले में शुक्रवार को पटना हाईकोर्ट में सुनवाई नहीं हुई। इस मामले की सुनवाई न्यायाधीश अरविंद सिंह चंदेल की खंडपीठ में होने वाली थी, लेकिन पीठ के उपस्थित न होने के कारण इस मामले में सुनवाई नहीं हो सकी है। मामले की सुनवाई की अगली तारीख अभी तय नहीं की गई है। बीपीएससी की 70वीं पीटी रद्द करके दोबारा परीक्षा कराने की मांग को लेकर पटना हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की गयी थी। अब ऐसे में आज बीपीएससी अभ्यर्थियों को पटना हाईकोर्ट के अहम फैसले का इंतजार था। बेंच की उपलब्धता नहीं होने के कारण इस मामलों पर आज सुनवाई नहीं हो सकी है। इससे पहले 70वीं बीपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर अभ्यर्थियों के प्रदर्शन के बाद अब पटना पुलिस का बड़ा एक्शन देखने को मिला है। बीपीएससी परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे 305 प्रदर्शनकारियों के खिलाफ मामला सचिवालय थाना में केस दर्ज किया गया है। बीपीएससी 70वीं पीटी परीक्षा रद्द करने की याचिका पर पटना हाईकोर्ट में सुनवाई टल गई है। इसी बीच बीपीएससी ने पीटी परीक्षा का रिजल्ट भी घोषित कर दिया है। जानकारी के अनुसार प्रारंभिक परीक्षा में 3,28,990 अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया था जिसमें कुल 21,581 अभ्यर्थी सफल हुए हैं। आयोग ने 45 दिन में परिणाम भी जारी कर दिया था। उल्लेखनीय है कि बीते 16 जनवरी की सुनवाई में पटना हाईकोर्ट ने बीपीएससी को 30 जनवरी तक एफिडेविट देने का निर्देश दिया था। हाईकोर्ट ने फिलहाल परीक्षा पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज समेत कई याचिकाएं दायर की गई थीं, जिन्हें अब एक साथ जोड़ दिया गया है। पूर्णिया सांसद पप्पू यादव और कोचिंग संचालक खान सर की ओर से भी हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है, जिसमें री-एग्जाम की मांग के साथ प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों पर दर्ज प्राथमिकी वापस लेने की अपील की गई है।

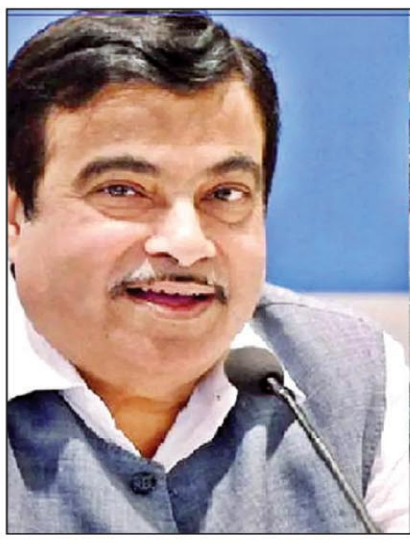

हमने राष्ट्रीय राजमार्गों की गुणवत्ता और सुरक्षा बढ़ाने पर बहुत जोर दिया है: गडकरी

कहा-राष्ट्रीय राजमार्ग हमारी राष्ट्रीय संपति, हमने उनकी गुणवत्ता और सुरक्षा बढ़ाने पर दिया है जोर

नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग हमारी राष्ट्रीय संपत्ति हैं। हमने उनकी गुणवत्ता और सुरक्षा बढ़ाने पर बहुत जोर दिया है। हमने निर्माण की गुणवत्ता बढ़ाने और हमारी प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए ठेकेदारों की ज़िम्मेदारी तय करने के उपाय किए हैं।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी एक बयान में बताया कि नितिन गडकरी ने गुरुवार को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा नई दिल्ली में आयोजित हितधारक परामर्श कार्यशाला को संबोधित करते हुए यह बात कही। केंद्रीय मंत्री ने अपने संबोधन में कहा, प्रौद्योगिकी एक महान सक्षमकर्ता है और स्वचालित और बुद्धिमान मशीन-सहायता प्राप्त निर्माण को अपनाना सही दिशा में एक कदम है। उन्होंने कहा कि हमने लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे पायलट परियोजना में सफलता हासिल की है और जल्द ही हम इस तकनीक को अन्य परियोजनाओं में भी लागू करेंगे। इस अवसर पर अपने संबोधन में सड़क परिवहन और राजमार्ग राज्य मंत्री अजय टम्टा ने कहा, भारत ने विश्व स्तरीय सड़कों और राजमार्गों के विकास में उल्लेखनीय प्रगति की है, जिससे हमारे बुनियादी ढांचे में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस परिवर्तन में प्रत्येक हितधारक की अहम भूमिका है। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे, सेंसर, उपग्रह और वास्तविक समय की निगरानी जैसी उन्नत तकनीक का लाभ उठाना प्रगति को गति देने के लिए महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने कहा कि निरंतर तकनीकी प्रगति के साथ हम भारत के सड़क बुनियादी ढांचे को विजन 2047 के साथ संरेखित करने और हमारे राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क को विश्व स्तर पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

न्यूज ब्रीफ

आर्थिक सर्वेक्षण और केंद्रीय बजट: सीनियर सिटीज़न को मिल सकती है रेलवे टिकट में छूट

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण शनिवार को देश का केंद्रीय बजट पेश करेंगी, जिससे पहले शुक्रवार को आर्थिक सर्वेक्षण संसद में प्रस्तुत किया जाएगा। यह सर्वेक्षण देश की अर्थव्यवस्था की स्थिति, विकास दर और प्रमुख आर्थिक चुनौतियों का विश्लेषण करने वाला महत्वपूर्ण दस्तावेज है, जिसका व्यापक असर देश के वित्तीय और नीतिगत फैसलों पर होता है। बजट से पहले विशेषज्ञों और जनता की नजरें कुछ अहम बदलावों पर हैं, जिनमें से एक है सीनियर सिटीज़न को रेलवे टिकट पर मिलने वाली छूट की बहाली। कोरोना महामारी के पहले तक 60 साल से ऊपर के पुरुषों को 40 फीसदी और महिलाओं को 50 फीसदी की छूट दी जाती थी। कोविड-19 के दौरान 2020 में इस छूट को बंद कर दिया गया था और महामारी के बाद भी यह सुविधा फिर से शुरू नहीं की गई। सीनियर सिटीज़न लंबे समय से इस छूट को फिर से बहाल करने की मांग कर रहे हैं, और उम्मीद जताई जा रही है कि इस बजट में सरकार इस सुविधा को फिर से लागू कर सकती है। इसके अलावा पिछले बजट में किए गए कैपिटल गेन टैक्स के नियमों में बदलाव ने कई निवेशकों को निराश किया था। कैपिटल गेन टैक्स उन प्रॉफिट्स पर लगता है जो किसी संपत्ति, शेयर या म्यूचुअल फंड्स की यूनिट्स को बेचने से होते हैं।

सोलर ऊर्जा से जगमग होंगी महाराष्ट्र की सभी सरकारी इमारतें

मुंबई। पिछले कुछ वर्षों में सौर ऊर्जा का उपयोग बढ़ रहा है और इसके लिए सरकार विभिन्न योजनाएं चला रही है। इसी श्रृंखला में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना देशभर में अपनी पहचान बना चुकी है। महाराष्ट्र भी इस योजना में अहम भूमिका निभा रहा है और इसके तहत राज्य के 1157 सरकारी इमारतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने का कार्य शुरू किया गया है। अब तक लगे संयंत्रों से लोग बिजली के बिलों से मुक्ति पा रहे हैं। राज्य सरकार की ओर से जारी निर्देशों के अनुसार अब तक सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने की दिशा में कदम बढ़ाया जा रहा है। सभी सरकारी इमारतों को 15 दिसंबर 2025 से पहले सौर ऊर्जा से विद्युतीकरण करने का मानद लक्ष्य रखा गया है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एवं वित्त व नियोजन मंत्री ने इस मुद्दे पर समीक्षा बैठक में निर्देश दिया है कि अनजाने सरकारी इमारतों में भी सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के लिए प्रयास किया जाए। यह योजना सिर्फ बिजली के बिलों को कम करने के लिए नहीं, बल्कि इससे पर्यावरण को बचाने में भी मदद मिलेगी। इस कदम से सौर ऊर्जा का उपयोग बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है जो आने वाले सालों में देश के लिए बड़ी सफलता साबित हो सकता है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसी तरह यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी का माहौल बना रहा। एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता हुआ दिख रहा है। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान खरीदारी होती रही, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। डाउ जॉन्स 170 अंक की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.53 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,071.18 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके अलावा नैस्डेक ने 0.25 प्रतिशत की तेजी के साथ 19,680.70 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.18 प्रतिशत की बढ़त के साथ 44,963.01 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार तेजी का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 1.03 प्रतिशत उछल कर 8,646.88 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

आम बजट के पहले बाजार में जोश, लगातार चौथे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ स्टॉक मार्केट

बाजार की तेजी से निवेशकों को 1 दिन में 6.26 लाख करोड़ का मुनाफा

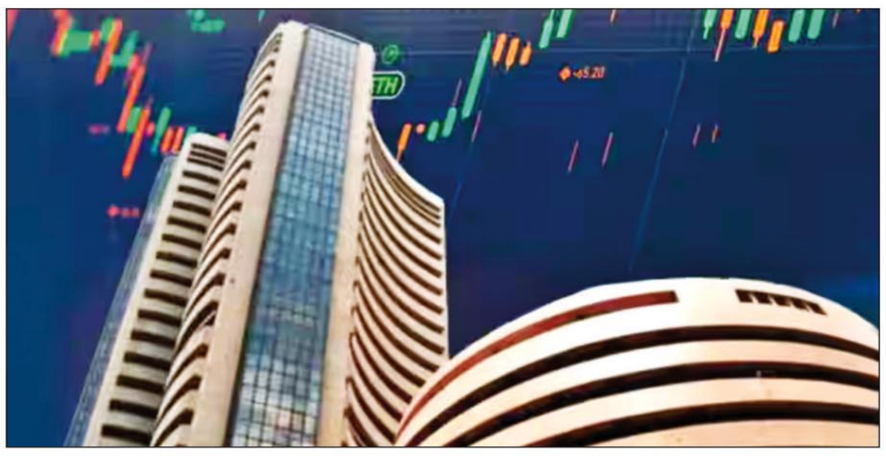

नई दिल्ली

आम बजट के पहले घरेलू शेयर बाजार शानदार मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। के कारोबार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ हुई थी, लेकिन दिन के कारोबार में बिकवाली के मामूली झटकों का सामना करते हुए शेयर बाजार लगातार ऊपर चढ़ता गया। हालांकि दोपहर 1 बजे के करीब एक बार बिकवाली का जोरदार दबाव बनता हुआ नजर आया, लेकिन अगले 1 घंटे के कारोबार में ही खरीदारों ने दोबारा बढ़त बना ली। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.97 प्रतिशत और निफ्टी 1.11 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

दिनभर के कारोबार के दौरान एफएमसीजी, रियल्टी और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह बैंकिंग, मेटल, आईटी, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, फार्मास्यूटिकल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑयल एंड गैस तथा टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। के कारोबार में ऑयल एंड गैस, पावर, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी और रियल्टी इंडेक्स में 2 प्रतिशत से अधिक तेजी दर्ज की गई। वहीं कैपिटल गुड्स इंडेक्स 4 प्रतिशत से अधिक उछल गया। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.76 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.83 प्रतिशत की तेजी के साथ के कारोबार का अंत किया।

शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 6 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद बढ़ कर 424.13 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 417.87 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 6.26 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,047 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,719 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,203 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 125 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,553 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,931 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 622 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 25 शेयर बढ़त के साथ और 5 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 43 शेयर हरे निशान में और 7 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स 129.08 अंक की तेजी के साथ 76,888.89 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद कुछ देर तक मामूली उतार चढ़ाव होता रहा, लेकिन इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। दिन के कारोबार में बिकवाली के हल्के-फुल्के झटका का सामना करते हुए ये सूचकांक का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले 846.15 अंक उछल कर 77,605.96 अंक तक पहुंच गया। हालांकि अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट के कारण हुई बिकवाली की वजह से ये सूचकांक ऊपरी स्तर से करीब 100 अंक टूट कर 740.76 अंक की तेजी के साथ 77,500.57 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 47.25 अंक की बढ़त के साथ 23,296.75 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद थोड़ी देर तक मामूली उतार चढ़ाव होता रहा, लेकिन इसके बाद खरीदारी के सपोर्ट से इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के कारण का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 297.30 अंक की मजबूती के साथ 23,546.80 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। हालांकि अंत में हुई मामूली मुनाफा वसूली की वजह से निफ्टी ऊपरी स्तर से करीब 40 अंक फिसल कर 258.90 अंक की तेजी के साथ 23,508.40 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स 5.99 प्रतिशत, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स 4.99 प्रतिशत, ट्रेंट लिमिटेड 4.39 प्रतिशत, नेस्ले 4.32 प्रतिशत और लार्सन एंड टूब्रो 4.28 प्रतिशत की मजबूती के साथ के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, भारती एयरटेल 0.88 प्रतिशत, जेएसडब्ल्यू स्टील 0.62 प्रतिशत, बजाज फिनसर्व 0.52 प्रतिशत, आईसीआईसीआई बैंक 0.22 प्रतिशत और बजाज फाइनेंस 0.21 प्रतिशत की कमजोरी के साथ के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

एचएम एलेक्ट्रो मेक की फीकी लिस्टिंग से निवेशक निराश

नई दिल्ली

इलेक्ट्रिकल इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में काम करने वाली कंपनी एचएम इलेक्ट्रो मेक ने घरेलू शेयर बाजार में मामूली बढ़त के साथ एंट्री की। कंपनी के शेयर 8 प्रतिशत प्रीमियम के साथ बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग के थोड़ी देर बाद ही बिकवाली का दबाव बनने के कारण ये शेयर लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गया।

आईपीओ के तहत कंपनी ने 75 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे। इसकी लिस्टिंग 81 रुपये के स्तर पर हुई, लेकिन थोड़ी देर बाद ही ये शेयर टूट कर 76.95 के लोअर सर्किट लेवल पर आ गया। हालांकि इसके बाद खरीदारों ने लिवाली करके लोअर सर्किट ब्रेक करने में सफलता हासिल कर ली। सुबह 11 बजे तक के कारोबार के बाद कंपनी के शेयर 77.11 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। एचएम इलेक्ट्रो मेक का 27.74 करोड़ रुपये का आईपीओ 24 से 28 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। ये आईपीओ ओवरऑल 91.75 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 16.01 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 183.65 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 95.55 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 36.99 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरत को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक 2023-24 में कंपनी को 117.30 करोड़ रुपये का राजस्व मिला था, जबकि कंपनी का शुद्ध लाभ 8.19 करोड़ रुपये दर्ज किया गया था। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2024 के बीच कंपनी को 3.34 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। वहीं इस अवधि में कंपनी 45.43 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल कर चुकी है।

यूपीआई ने बदले नियम, 1 फरवरी से ब्लॉक हो सकता हैं ट्रांजेक्शन

ई-रिक्शा से लेकर मेट्रो ट्रेन और सब्जी की दुकानों तक पेमेंट के लिए अब यूपीआई प्रमुख विकल्प बन गया है। यूपीआई ने डिजिटल ट्रांजेक्शन को आसान और सुरक्षित बनाने के लिए नियमों में एक बड़ा बदलाव किया है। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) 1 फरवरी से ऐसे ट्रांजेक्शन को ब्लॉक करने जा रही है जो यूपीआई आईडी में स्पेशल कैरेक्टर का इस्तेमाल करते हैं। एनपीसीआई ने इसके बारे में सर्कुलर जारी करके जानकारी दी है कि 1 फरवरी से स्पेशल कैरेक्टर्स से बनी आईडी वाले ट्रांजेक्शन एक्सेप्ट नहीं किए जाएंगे। यूजर्स केवल अल्फान्यूमेरिक कैरेक्टर्स से बनी आईडी के माध्यम से ही पेमेंट कर सकते हैं। यदि आप भी किसी ऐसे यूपीआई ऐप का उपयोग कर रहे हैं, जो ट्रांजेक्शन आईडी में स्पेशल कैरेक्टर्स का उपयोग करता है, तो ट्रांजेक्शन को सेंट्रल सिस्टम द्वारा रिजेक्ट कर दिया जाएगा। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम यूपीआई ट्रांजेक्शन आईडी जनरेशन प्रक्रिया को मानकीकृत करना चाहता है और इसी कारण सभी पेमेंट इकोसिस्टम प्लेयर्स से केवल 'अल्फान्यूमेरिक' कैरेक्टर्स का उपयोग करने की अपील की है। वहीं दूसरी ट्रांजेक्शन आईडी मान्य है क्योंकि इसमें केवल अक्षर और संख्याएं शामिल हैं।

सर्राफा बाजार में तेजी, सोना और चांदी की बढ़ी चमक

नई दिल्ली

बजट के एक दिन पहले सर्राफा बाजार में तेजी का रुख बना हुआ है। सोना 150 से 170 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। चांदी ने भी 2,200 रुपये प्रति किलोग्राम की छलांग लगाई है। कीमत में तेजी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 83,180 रुपये से लेकर 83,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 76,260 रुपये से लेकर 76,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है।

चांदी की कीमत में भी तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 98,600 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 83,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 76,260 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 83,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 76,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 83,080 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 76,160 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 83,030 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 76,110 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 83,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 76,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 83,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 76,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 83,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 76,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 83,180 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 76,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में उछाल दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 83,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 76,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जीबी लॉजिस्टिक्स की 20 प्रतिशत घाटे के साथ लिस्टिंग, कारोबार शुरु करते ही लगा लोअर सर्किट

नई दिल्ली

लॉजिस्टिक्स सेक्टर की कंपनी जीबी लॉजिस्टिक्स कॉमर्स लिमिटेड के शेयरों की लिस्टिंग से कंपनी के निवेशकों को जबरदस्त नुकसान हुआ। कंपनी के शेयरों की स्टॉक मार्केट में जोरदार डिस्काउंट के साथ एंट्री हुई। इसके थोड़ी देर बाद ही ये शेयर गिरकर लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। हालांकि थोड़ी देर बाद ही लिवाली शुरू हो जाने के कारण ये शेयर लोअर सर्किट ब्रेक करके कारोबार करने लगा।

आपको बता दें कि आईपीओ के तहत कंपनी ने 102 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयर 20 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 81.60 रुपये के स्तर पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग के तुरंत बाद बिकवाली के दबाव के कारण थोड़ी ही देर में ये शेयर 77.55 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। हालांकि थोड़ी ही देर बाद एक बार फिर लिवाली शुरू होने से ये शेयर लोअर सर्किट ब्रेक करके कारोबार करने लगा। सुबह 11 बजे तक के कारोबार के बाद जीबी लॉजिस्टिक्स कॉमर्स लिमिटेड के शेयर 82 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे।

जीबी लॉजिस्टिक कॉमर्स लिमिटेड का 25.07 करोड़ रुपये का आईपीओ 24 से 28 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 184.64 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 25.12 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 543.55 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 121.88 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 24.58 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने पुराने कर्ज की अदायगी करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक 2023-24 में कंपनी का कंसोलिडेटेड रेवेन्यू 115.62 करोड़ रुपये रहा था। इस दौरान कंपनी को 4.86 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2024 के बीच कंपनी को 2.53 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इसी तरह इस अवधि में कंपनी 50.85 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल कर चुकी है। इसके साथ ही कंपनी पर 20.07 करोड़ रुपये का कर्ज भी लदा हुआ है।

पार्थ माने ने राष्ट्रीय खेलों में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा जीती, महाराष्ट्र का दबदबा कायम

देहरादून

17 वर्षीय विश्व जूनियर चैंपियन पार्थ माने ने 38वें राष्ट्रीय खेलों उत्तराखंड में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। त्रिशूल शूटिंग रेंज में हुए इस मुकाबले में महाराष्ट्र के रुद्राक्ष पाटिल को हराकर उन्होंने पहला स्थान हासिल किया, जबकि किरण जाधव ने कांस्य पदक जीतकर महाराष्ट्र के लिए पोडियम फिनिश को पूरा किया।

पार्थ माने का दबदबा कायम

पार्थ माने ने पूरे फाइनल के दौरान शानदार लय बनाए रखी। अनुभवी निशानेबाजों के बीच भी वह शांत बने रहे और एक सीरीज को छोड़कर बाकी सभी में बढ़त बनाए रखी। फाइनल के दौरान उनके कई शॉट्स ने 10.7 या उससे अधिक स्कोर किया, जिससे उनका आत्मविश्वास और मजबूत हुआ।

जब रुद्राक्ष पाटिल ने 20 शॉट्स के बाद मात्र 0.6 अंकों का अंतर रखते हुए चुनौती पेश की, तब पार्थ ने दबाव में भी अपने प्रदर्शन को बरकरार रखा। अंतिम चार शॉट्स में रुद्राक्ष ने 42.2 अंक बनाए, लेकिन पार्थ ने 42.4 अंक के साथ जवाब दिया, जिसमें 10.8 और 10.7 के बेहतरीन निशाने शामिल थे।

ओलंपिक स्वर्ण से बेहतर स्कोर

पार्थ ने कुल 252.6 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता, जो पेरिस 2024 ओलंपिक स्वर्ण पदक स्कोर से 0.4 अंक अधिक था। उनके निरंतर प्रदर्शन ने उन्हें पूरे फाइनल में बढ़त बनाए रखने में मदद की, हालांकि एलिमिनेशन राउंड में रुद्राक्ष पाटिल की शानदार शूटिंग ने सभी का ध्यान आकर्षित किया।

अन्य प्रमुख प्रदर्शन

रुद्राक्ष पाटिल ने रजत पदक जीता और माना कि उन्होंने चौथे स्थान पर जाने के डर को दूर रखते हुए हर शॉट पर ध्यान केंद्रित किया।

अर्जुन बाबूता (पंजाब), जो शुरू में शीर्ष पर बने हुए थे, 16वें शॉट के बाद 10.4 स्कोर कर चौथे स्थान पर खिसक गए।

किरण जाधव, जो 20वें शॉट तक चौथे स्थान पर थे, ने 10.8 अंक का दबाव झेलते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया।

पार्थ मखीजा (दिल्ली) ने पांचवां स्थान और संदीप सिंह (सर्विसेज) छठा स्थान हासिल किया।

असम के हृदय हजारिका, 2018 के विश्व जूनियर चैंपियन, इस अवसर का फायदा नहीं उठा सके और पदक की दौड़ से बाहर हो गए।

न्यूज़ ब्रीफ

ओलंपिक फिगर स्केटिंग लीजेंड डिक बटन का 95 वर्ष की आयु में निधन

न्यूयॉर्क। दो बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता और पांच बार के विश्व चैंपियन डिक बटन का 95 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके बेटे एडवर्ड ने उनकी मौत की पुष्टि की। बटन, जो पहले अमेरिकी पुरुष ओलंपिक फिगर स्केटिंग चैंपियन थे, ने 1948 और 1952 में स्वर्ण पदक जीते। उन्होंने पहली बार डबल एक्सल और ट्रिपल जंप जैसी तकनीकों को प्रतियोगिता में शामिल किया, जिससे स्केटिंग में क्रांतिकारी बदलाव आया। स्केटिंग के प्रति उनके योगदान को सम्मान देते हुए, बोस्टन स्केटिंग क्लब ने उनके नाम पर एक ट्रॉफी रूम स्थापित किया और डिक बटन आर्टिस्टिक फिगर स्केटिंग शोकेस का आयोजन किया। प्रतियोगिता से संन्यास लेने के बाद, बटन एक प्रतिष्ठित टीवी कमेंटेटर बने और स्केटिंग के तकनीकी पहलुओं को लोकप्रिय बनाया। उन्होंने पेशेवर स्केटिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया, जिससे खिलाड़ियों को अपने करियर के बाद भी मंच मिला। यूएस फिगर स्केटिंग ने उन्हें फिगर स्केटिंग में क्रांति लाने वाला बताया और उनके परिवार व प्रियजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

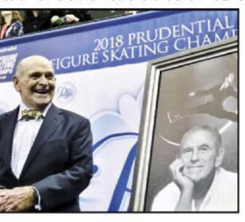

38वां राष्ट्रीय खेलः अनीश भानवाला और नर्मदा राजू ने शूटिंग फाइनल में जीता स्वर्ण पदक

देहरादून। देहरादून में त्रिशूल शूटिंग रेंज 38वें राष्ट्रीय खेलों में एक हाई-ऑक्टेन प्रतियोगिता में अनीश भानवाला और नर्मदा नितिन राजू ने अपने-अपने फाइनल मुकाबले जीत लिए हैं। 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल मेन्स फ़ाइनल में अनीश भानवाला (हरियाणा) ने अपने संग्रह में एक और स्वर्ण जोड़ा, 31 हिट के साथ रजत पदक विजेता गुरप्रीत सिंह (सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड) से तीन आगे रहे, जिन्होंने 28 हिट पोस्ट किए। विजयवीर सिद्धू (पंजाब) ने 26 हिट के साथ पोडियम पर पहुंचकर कांस्य पदक हासिल किया। लंबे ब्रेक के बाद प्रतियोगिता में लौटे भानवाला ने जीत के बाद कहा, पैरालंपिक के बाद यह मेरा पहला पदक है और वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। यह राष्ट्रीय खेलों में मेरा दूसरा स्वर्ण है, मेरा पहला स्वर्ण अहमदाबाद में था। लंबा ब्रेक कठिन रहा है लेकिन यह सब यात्रा का हिस्सा है। वहीं, 10 मीटर एयर राइफल महिला फाइनल में नर्मदा नितिन राजू (तमिलनाडु) ने आर्य राजेश बोरसे (महाराष्ट्र) को हराकर 254.4 के प्रभावशाली स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि रमिता जिंदल (हरियाणा) ने 230.4 के साथ कांस्य पदक हासिल किया।

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी का उद्घाटन कराची में 11 फरवरी, लाहौर में 16 फरवरी को होगा

लाहौर। पाकिस्तान में 19 फरवरी से होने वाले आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान टीम की घोषणा अब तक नहीं हुई है पर टूर्नामेंट के उद्घाटन समारोह के लिए लाहौर स्टेडियम में 16 फरवरी की तारीख तय कर दी गई है। वहीं कराची के नेशनल स्टेडियम में 11 फरवरी को उद्घाटन समारोह होगा। इसमें पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी का भी सम्मान किया जाएगा। इस प्रकार दो अलग-अलग जगहों पर उद्घाटन समारोह होगा। चैंपियंस ट्रॉफी का अधिकारिक उद्घाटन 16 फरवरी को लाहौर के हजूरी बाग में होगा। इसके अलावा गद्दाफी स्टेडियम में उद्घाटन समारोह की झलक देखने को मिलेगी। ऐसा माना जा रहा है कि चैंपियंस ट्रॉफी समारोह में बड़ी हस्तियों के अलावा क्रिकेटरों और आईसीसी के बड़े अधिकारी शामिल रहेंगे। माना जा रहा है कि टूर्नामेंट के उद्घाटन समारोह में तकरीबन सारी टीमों के कप्तान नजर आएंगे पर भारतीय कप्तान रोहित शर्मा इसमें शामिल नहीं होंगे। चैंपियंस ट्रॉफी के मुकाबले 19 फरवरी से होंगे। इस टूर्नामेंट का मेजबान देश पाकिस्तान है पर भारतीय टीम पाकिस्तान की जगह अपने मुकाबले हाइब्रिड मॉडल के तहत दुबई में खेलेगी।इसमें भारतीय टीम अपना पहला मुकाबला बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगी। भारत और बांग्लादेश के बीच मुकाबला 20 फरवरी को खेला जाएगा। इसके बाद भारतीय टीम 23 फरवरी को पाकिस्तान से खेलेगी।

लीजेंड 90 क्रिकेट लीग में नजर आयेंगे धवन, रैना और टेलर सहित कई दिग्गज

मुम्बई

अगले माह होने वाली पूर्व क्रिकेटरों की लीजेंड 90 क्रिकेट लीग में शिखर धवन, सुरेश रैना और हरभजन सिंह जैसे दिग्गज खेलते नजर आयेंगे। ये लीग रायपुर में 6 से 18 फरवरी तक खेली जाएगा। इसमें भाग ले रही सभी फ्रेंचाइजी ने अपने-अपनी टीमें घोषित कर दी हैं। लीग में न्यूजीलैंड के बल्लेबाज रॉस टेलर, मार्टिन गुप्टिल, पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान आरोन फिंच भी खेलते हुए नजर आयेंगे। इस ट्रॉफी में छत्तीसगढ़ वारियर्स, हरियाणा ग्लेडिएटर्स, दुबई जॉइंट्स, गुजरात सैम्प आर्मी, दिल्ली रॉयल्स, बिग बॉयज, राजस्थान किंग्स जैसी 7 टीमें भाग लेंगी।

इसमें छत्तीसगढ़ वॉरियर्स में मार्टिन गुप्टिल, सुरेश रैना और अंबाती रायडू शामिल जबकि हीं दिल्ली रॉयल्स के पास टेलर और धवन जैसे दिग्गज खिलाड़ी हैं। वहीं हरियाणा ग्लेडियेटर्स के पास हरभजन सिंह जैसे कप्तान हैं। राजस्थान किंग्स की कप्तानी वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो जबकि दुबई जॉइंट्स की ओर से बांग्लादेश के पूर्व कप्तान शाकिब अल हसन उतरेंगे।

इसमें भागे लेने वाली टीमें हैं :

छत्तीसगढ़ वारियर्स

सिद्धार्थ कौल, शेल्डन जैक्सन, पवन नेगी, केवॉन कूपर, सुरेश रैना, विशाल कुशवाहा, मार्टिन गुप्टिल, अभिषेक सकुजा, अंबाती रायुडु, अमित वर्मा, गुरुकीरत सिंह मान, अमित मिश्रा, ऋषि धवन, कलीम खान, उन्मुक्त चंद, मनोज सिंह, अभिमन्यु मिथुन, कॉलिन डी ग्रैंडहोम

हरियाणा ग्लेडिएटर्स

पवन सुयाल, प्रवीण गुप्ता, अबू नीशम, अनुरीत सिंह, इमरान खान, असेला गुनारत्ने, इशांक जग्गी, हरभजन सिंह, नागेंद्र चौधरी, रिक्की क्लार्क, पीटर ट्रेगो, चैडविक वाल्टन, मनन शर्मा

दुबई जॉइंट्स

शाकिब अल हसन, थिसारा परेरा, केनर लुईस, केविन ओ ब्रायन, ब्रेंडन टेलर, लियाम प्लंकेट, ड्वेन स्मिथ, एच. मसाकद्ज़ा, रिचर्ड लेवी, ल्यूक फ्लेचर, राहुल यादव, क्रिस्टोफर एम, सिड त्रिवेदी, एस. प्रसन्ना

गुजरात सैम्प आर्मी

युसुफ पठान, मोइन अली, ओबस पिएनार, सौरभ तिवारी, केसरिक विलियम्स, जेसल करिया, मिगुएल कमिंस, चंद्रपॉल हेमराज, शापूर जादरान, मुहम्मद अशरफुल, विलियम पर्किन्स, नवीन स्टीवर्ट, चतुरंगा डी सिल्वा, मौसिफ खान

राजस्थान किंग्स

ड्वेन ब्रावो, अंकी राजपूत, फिल मस्टर्ड, शाहबाज़ नदीम, फैज़ फज़ल, शादाब जकाती, जसकरन मल्होत्रा, इमरान ताहिर, जयकिशन कोलसावाला, राजेश बिश्नोई, कोरी एंडरसन, पंकज राव, सैमुल्ला शिनवारी, रजत सिंह, एशले नर्स, दवलत जादरान, मनप्रीत गोनी

बिग बॉयज़ स्क्वाड

मैट प्रायर, इशान मल्होत्रा, मोनू कुमार, चिराग गांधी, तमीम इकबाल, तिलकरत्ने दिलशान, हर्शेल गिब्स, उपुल थरंगा, अब्दुर रज्जाक, शैनन गेब्रियल, वरुण आरोन, नील ब्रूम, करमवीर सिंह, रॉबिन बिस्ट, नमन शर्मा, कपिल राणा, विनोद चांवरिया

दिल्ली रॉयल्स

शिखर धवन, लेंडल सिमन्स, दनुश्का गनथिलका, एंजेलो परेरा, सहरद लुम्बा, बिपुल शर्मा, लखविंदर सिंह, राजविंदर सिंह, रेयाद इमरित, रॉस टेलर, जेरोम टेलर, सुमित नरवाल, परविंदर अवाना।

लेग स्पिनर से बल्लेबाज तक की स्मिथ की यात्रा प्रेरिणादायक : गिलक्रिस्ट

सिडनी। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट ने अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ की जमकर सराहना की है। गिलक्रिस्ट ने कहा है कि जिस प्रकार स्मिथ ने एक गेंदबाज से अपना करियर शुरु करते हुए धीरे-धीरे बल्लेबाजी में किस्मत आजमायी और आज 10,000 टेस्ट रन उनके नाम है। वह किसी के लिए भी वह प्रेरणादायक उपलब्धि है। गिलक्रिस्ट ने एक लेग स्पिनर से बेस्ट बल्लेबाज बनने के स्मिथ की यात्रा को सराहा है। स्मिथ ने गॉल में श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान ही अपना 35वां टेस्ट शतक बनाकर टेस्ट में 10,000 रनों का आंकड़ा हासिल किया था। स्मिथ जब ऑस्ट्रेलियाई टीम में आए थे तो उन्हें तब लेग स्पिनर शेन वार्न के उत्तराधिकारी के रूप में देखा जा रहा था पर स्मिथ ने इसके बाद बल्लेबाज के तौर पर उतरते हुए अपनी अलग पहचान बनायी।

वनडे त्रिकोणीय सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम में शामिल हुए जैकब डफी

वेलिंगटन

न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान में होने वाली आगामी वनडे त्रिकोणीय सीरीज के लिए तेज गेंदबाज जैकब डफी को अपनी टीम में शामिल किया है। 30 वर्षीय डफी, जो चैंपियंस ट्रॉफी के लिए रिजर्व खिलाड़ी के रूप में चुने गए हैं, लॉकी फर्ग्यूसन के कवर के रूप में टीम से जुड़ेंगे। फर्ग्यूसन वर्तमान में आईएलटी20 लीग में डेजर्ट वाइपर के लिए खेल रहे हैं और 10 फरवरी तक टूर्नामेंट में व्यस्त रहेंगे।

डफी ने हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था, जहां उन्होंने पांच सफेद गेंद के मैचों में 12 विकेट चटकाए और टी20 सीरीज के प्लेयर ऑफ़ द सीरीज़ का खिताब जीता। वह न्यूजीलैंड की वनडे टीम के अन्य खिलाड़ियों के साथ सोमवार को पाकिस्तान के लिए रवाना होंगे।

न्यूजीलैंड का कार्यक्रम

वनडे त्रिकोणीय सीरीज के तहत न्यूजीलैंड को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में 8 फरवरी को पाकिस्तान और 10 फरवरी को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले खेलने हैं। यदि टीम फाइनल के लिए क्वालीफाई करती है, तो 14 फरवरी को कराची में खिताबी मुकाबला होगा। इसके बाद न्यूजीलैंड को 16 फरवरी को कराची में बांग्लादेश के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी का आधिकारिक अभ्यास मैच खेलना है। फिर, 19 फरवरी को मेजबान पाकिस्तान के खिलाफ न्यूजीलैंड आईसीसी इवेंट के पहले मुकाबले में उतरेगा।

न्यूजीलैंड टीम (वनडे त्रिकोणीय सीरीज के लिए)

मिशेल सेंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, टॉम लैथम, डेरिल मिशेल, विल ओरूर्के, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, बेन सियर्स, नाथन स्मिथ, केन विलियमसन, विल यंग,जैकब डफी।

स्टार्क सबसे तेजी से 700 अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वाले सातवें खिलाड़ी बने

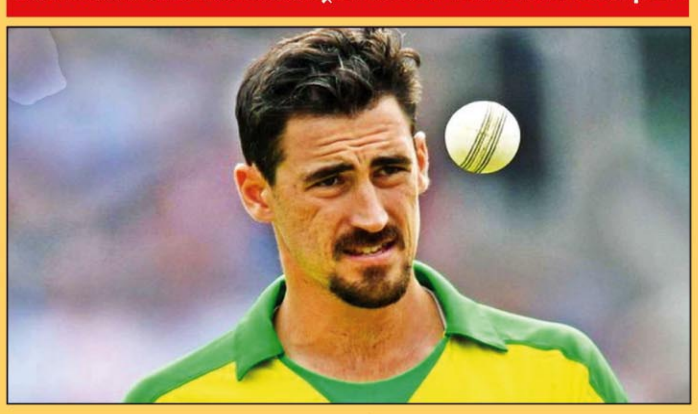

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने श्रीलंका के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में अपने 700 अंतरराष्ट्रीय विकेट पूरे कर लिए हैं। इसी के साथ ही स्टार्क अब 373 पारियों में तेजी से 700 अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वाले छठे खिलाड़ी बन गये हैं। यह विकेट इसलिए स्टार्क के लिए खास रहा क्योंकि ये उन्होंने अपने जन्मदिन पर हासिल किया। स्टार्क ने श्रीलंकाई सलामी बल्लेबाज दिमुथ करुणारत्ने को 7 रन पर आउट कर अपना 700 वां विकेट लिया। स्टार्क के नाम पर अब टेस्ट में 377 विकेट, एकदिवसीय में 244 विकेट और टी-20 में 79 विकेट हो गये हैं। सबसे तेजी से 700 अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वाले पहले खिलाड़ी श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन हैं। मुरलीधरन ने 308 पारियां में ये विकेट लिए। वहीं दूसरे नंबर पर आर अश्विन और तीसरे पर शेन वार्न हैं जबकि चौथे और पांचवे नंबर पर वकार यूनुस ओर ग्लेन मैकग्राथ जैसे खिलाड़ी हैं। सबसे तेज 700 अंतरराष्ट्रीय विकेट तक पहुंचने वाले खिलाड़ी इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने उस्मान ख्वाजा के 232, स्टीव स्मिथ के 141 और जॉस इंग्लिस के 102 रनों की सहायता से अपनी पहली पारी छह विकेट पर 654 रन बनाकर पारी घोषित की थी।

राष्ट्रीय खेल : उत्तराखंड ने स्वर्ण सहित 6 पदकों के साथ वुशु में बनाया अपना दबदबा

देहरादून

उत्तराखंड के वुशू एथलीटों ने 38वें राष्ट्रीय खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए गुरुवार को एक स्वर्ण और पांच कांस्य सहित कुल छह पदक जीते।

अचोम तापस ने वुशू ताओलू दाओशू स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया, जिससे भारत के शीर्ष प्रतियोगियों में से एक के रूप में उनकी स्थिति मजबूत हुई। तापस, जिन्होंने पहले ही जूनियर स्तर पर कई स्वर्ण पदक जीते हैं, अब सीनियर प्रतियोगिता में मुख्य भूमिका में हैं, जो उनके करियर में एक और मील का पत्थर है।

ज्योति वर्मा ने ताओलू सिंगल सीनियर - चांगक्वान (महिला) में उत्तराखंड की झोली में एक और कांस्य पदक डाला, जिससे राष्ट्रीय मंच पर राज्य की सफलता जारी रही।

उत्तराखंड के कांस्य पदक विजेताओं में विशाल कश्यप (वुशु ताओलू), नीरज जोशी (वुशु सांडा), लवीश कुमार (वुशु सांडा) और शुभम चौधरी (वुशु सांडा) भी शामिल हैं। पदकों की संख्या को और बढ़ाने के लिए, नीरज जोशी, लविश कुमार और शुभम चौधरी राज्य के संग्रह में रजत जोड़ने की उम्मीद के साथ आज (31 जनवरी) रिंग में लौटेंगे। उत्तराखंड वुशु टीम की कोच अंजना रानी ने एथलीटों की प्रतिबद्धता और अनुशासन की प्रशंसा की, उनकी सफलता का श्रेय उनके गहन प्रशिक्षण और राज्य के बढ़ते खेल बुनियादी ढांचे दोनों को दिया। उन्होंने आने वाले दिनों में और अधिक पदक हासिल करने की उनकी क्षमता पर भरोसा जताया। उत्तराखंड सरकार और खेल विभाग ने भी इन उल्लेखनीय एथलीटों की उपलब्धियों का जश्न मनाते हुए उन्हें बधाई दी है क्योंकि वे भविष्य की प्रतियोगिताओं में और भी बड़ी सफलता के लिए तैयार हैं।

एसए20 : डु प्लेसिस की आक्रामक पारी से जोबर्ग सुपरकिंग्स ने पार्ल रॉयल्स को हराया

नई दिल्ली

कप्तान फाफ डु प्लेसिस की तेज अर्धशतकीय पारी 87 रनों की सहायता से जोबर्ग सुपरकिंग्स ने एसए20 के 26वें मैच में पार्ल रॉयल्स को सात विकेट से हराकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखी हैं। इस मैच में पार्ल रॉयल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए दिनेश कार्तिक के 53 रनों की पारी से 20 ओवर में 9 विकेट पर 150 रन बनाए। इसके बाद जोबर्ग सुपरकिंग्स ने प्लेसिस की आक्रामक पारी से 17.5 ओवर में ही तीन विकेट के नुकसान पर ही तय लक्ष्य हासिल कर लिया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए जोबर्ग सुपरकिंग्स की ओर से कप्तान फाफ डु प्लेसिस 87 और डेवोन कॉनवे 20 ने 54 अच्छी शुरुआत की। कॉनवे के आउट होने के बाद भी डु प्लेसिस तेजी से खेलते रहे।

उन्होंने लियुस डु प्लूई 18 के साथ दूसरे विकेट के लिए 76 रन की साझेदारी बनायी। प्लेसिस के सामने पार्ल रॉयल्स के गेंदबाज विफल रहे। इस बल्लेबाज ने केवल 55 गेंदों में ही चार चौके और सात छक्के लगाकर 87 रन बनाए। डुडजियोन ने प्लेसिस को आउट कर अपनी टीम को एक अहम सफलता दिलायी।

इसके बाद डोनोवान फरेरा भी 10 रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गये। लियूस डु प्लूई और जॉनी बेयरस्टो 8 ने इसके बाद टीम को आसानी से जीत दिला दी। पार्ल रॉयल्स की ओर से लुंगी एनगिडी, मुजीब उर रहमान और कीथ डुडजियोन ने एक-एक विकेट लिया। वहीं इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए पार्ल रॉयल्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सैम हैन केवल 2 रन ही बना पाये। टीम ने 80 रन के स्कोर पर 6 विकेट गंवा दिए। इसके बाद भारतीय टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने 39 गेंदों में चार चौके व तीन छक्के की सहायता से 53 रन बनाकर टीम को संभाला और उसे 150 रनों तक पहुंचाया।

पाक क्रिकेटर शादाब विवादों में आये

लाहौर। पाकिस्तानी क्रिकेटर शादाब खान एक बार फिर विवादों में आ गये हैं। शादाब ने कहा है कि क्रिकेटरों के अभिनेत्रियों को संदेश भेजने में कोई गलती नहीं है। शादाब ने एक शो में कहा कि इस प्रकार की बातों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश जा रहा है। शादाब से शो में एक प्रशंसक ने पूछा था कि उन्होंने कभी अभिनेत्रियों को सोशल मीडिया पर संदेश भेजे हैं क्योंकि कई अभिनेत्रियों ने दावा किया था कि क्रिकेटर उन्हें सोशल मीडिया पर संदेश भेजते हैं। शादाब ने कहा कि जो सोशल मीडिया इस्तेमाल करते हैं उनके पास ऐसे संदेशों को ब्लॉक करने या अनदेखा करने की आजादी होती है। हर किसी के पास ब्लॉक करने का विकल्प होता है। अगर आपको यह पसंद नहीं है, तो जवाब न दें। शादाब की टिप्पणियां टिकटॉकर शहताज खान के दावों के जवाब में आई हैं, जिन्होंने पिछले साल आरोप लगाया था कि वह व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम पर उनके संपर्क में थी और शादाब ने उन्हें शादी का प्रस्ताव भी दिया था। हालांकि शादाब की शादी पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर सकलैन मुश्ताक की बेटी मलायका से हुई है। शहताज ने शादाब की शादी पर निराशा व्यक्त करते हुए दावा किया कि उस समय उन्हें पता नहीं था कि शादाब शादीशुदा है। उसने कहा कि जब उसकी शादी हुई तो मैं निराश हो गई थी।

खरीदारी

इन वजहों से विंटर शॉपिंग का है अपना ही मजा

सर्दी के मौसम के मायने अलग-अलग लोगों के लिए अलग-अलग हो सकते हैं। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप इसे कैसे जी रहे हैं। जहां तक लोगों की बात है, तो कई दशकों से इसे स्टाइल से जोड़कर देखा जा रहा है। हर कोई कपड़ों की परतों के बीच अपने स्टाइल और फैशन सेंस का प्रदर्शन करना चाहता है। वह सर्वश्रेष्ठ दिखना चाहता है। मार्केटिंग प्रफेशनल सुमिता अवस्थी कहती हैं कि सर्दी के मौसम में वह अपनी अलमारी में बेहतरीन शैली वाले कपड़ों को देख पाती हैं। वह कहती हैं कि आज के दौर में मार्केट में एक बढ़कर एक कलेक्शन मौजूद हैं, जो हर वरायटी और रेंज में हैं। जब तक जाड़े का मौसम है, तब तक जमकर फैशन किया जा सकता है। आपके शॉपिंग के अनुभव को यादगार बनाने के लिए शहर के सभी विक्रेताओं ने फैशन के अनुसार सामानों में नए स्टॉक को तरजीह दी है। आमतौर पर जब आप शॉपिंग करने निकलते हैं, तो आपका फोकस एक चीज पर नहीं होता। अगर आप सर्दी के मौसम में शॉपिंग के लिए निकल रहे हैं, तो कपड़ों के अलावा दूसरे प्रॉडक्ट्स जैसे जूते, फर्नीचर, घर को सजाने के लिए सामान और मोबाइल फोन तक पर नजर दौड़ाएं।

ऊनी कपड़ों का क्रेज अलग होता है

होममेकर कविता रॉय कहती हैं, विंटर शॉपिंग का अपना मजा है। ऊनी कपड़ों का क्रेज ही कुछ और होता है। ये बेहद आकर्षक होते हैं और इन्हें कैरी करने में भी मजा आता है। न्यू इयर को ध्यान में रखते हुए मुझे पूरे परिवार के लिए शॉपिंग करनी है। यह ऐसा समय होता है, जब एक साथ कई पार्टीज अटेंड करनी होती है। ऐसे में कपड़ों में वरायटी तो होनी ही चाहिए। दूसरा, चूंकि यह सर्दी का पीक टाइम है, इसलिए बाजार में शानदार प्रॉडक्ट देखने को मिल जाते हैं। जब मार्केट में मनमुताबिक चीजें मिलें, तो शॉपिंग का मजा और ज्यादा बढ़ जाता है।

मौसम के अनुरूप कपड़ों की डिमांड

एक गारमेंट शॉप विक्रेता बताते हैं कि विंटर सीजन में सिल्क, नर्म ऊनी और कॉटन के कपड़ों की डिमांड ज्यादा है। हमारे पास अलग-अलग रेंज में हर तरह के कपड़े मौजूद हैं। यह सच है कि सर्द मौसम के अनुरूप कपड़ों की डिमांड ज्यादा है, लेकिन हमने हर तरह के नए कपड़ों में कॉम्बो ऑफर दिया है, जिसे लोग पसंद कर रहे हैं।

रंगों के साथ एक्सपेरिमेंट करने का अवसर

विंटर्स सीजन आपको रंगों और कपड़ों के साथ प्रयोग करने का अवसर प्रदान देता हैं। मैन्युफैक्चरिंग कंपनियां प्रॉडक्ट बनाते समय सर्दियों के दौरान रंग पैलेट में कुछ बड़े बदलाव लेकर आती हैं। इन दिनों दो या अधिक रंग के मिश्रण वाले कपड़ों को पसंद किया जा रहा है। वहीं, एक्सपर्ट्स कहते हैं कि आप शॉपिंग के दौरान रिच सैटिन, कश्मीरी या मखमली कपड़ों के ऑप्शन को भी आजमा सकती हैं। जाड़े का मौसम है, तो बाजार में इन दिनों ऊनी कपड़ों का राज है, लेकिन आप चाहें तो सिल्क, लेदर और बुने हुए ऊनी कपड़ों को भी जरूर ट्राई करें। यह निश्चित रूप से आपके स्टाइल में इजाफा करने वाला सौदा साबित होगा।

सेहत का खजाना है मूंगफली, सर्दियों में जरूर खाएं

मूंगफली सर्दियों का सबसे लोकप्रिय टाइम पास है। मूंगफली खाने में जितनी टेस्टी होती है, इसे खाने के उतने ही फायदे भी हैं। इसे सेहत का खजाना कहना गलत नहीं होगा। इसमें पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है जो शारीरिक वृद्धि के लिए बहुत जरूरी है। अगर आप किसी भी कारण से दूध नहीं पीते हैं तो मूंगफली का सेवन इसका एक बेहतर विकल्प है। इसके अलावा भी मूंगफली में ऐसे कई तत्व हैं, जो कई बीमारियों में आराम पहुंचाते हैं। जानें, मूंगफली के उन फायदों के बारे में जिनसे आप अनजान हैं...

प्रोटीन का खजाना

सेल्स के बनने में प्रोटीन की भूमिका सबसे ज्यादा जरूरी होती है। प्रोटीन नए सेल्स के बनने और पुराने सेल्स को ठीक करने का काम करता है। मूंगफली में प्रोटीन की सबसे ज्यादा मात्रा पायी जाती है इसलिए इसका रोजाना कुछ मात्रा में सेवन करना बच्चों के साथ ही बड़ों के लिए भी बहुत ही फायदेमंद है। वेजिटेरियंस भी अंडे की जगह मूंगफली खाकर आसानी से अपने शरीर में प्रोटीन्स की कमी को पूरा कर सकते हैं।

ऐंटि-ऑक्सिडेंट्स से भरपूर

मूंगफली में विटमिन ई भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो एक बेहतरीन ऐंटि-ऑक्सिडेंट है। यह तनाव को कम करता है और त्वचा को खूबसूरत बनाता है। साथ ही इसमें ट्राइटोफन नामक अमीनो ऐसिड मौजूद होता है, जो मस्तिष्क में सेरोटोनिन के उत्पादन में मदद करता है। जो लोग डिप्रेशन में होते हैं, उनके लिए मूंगफली बहुत अच्छी साबित होती है।

विटमिन बी का स्रोत

मूंगफली में विटमिन बी3 अच्छी मात्रा में होता है, जो याददाश्त और दिमाग के लिए बहुत जरूरी होता है। इसके अलावा, इसमें विटमिन बी कॉम्प्लेक्स भी अच्छी मात्रा में पाया जाता है।

बरतें सावधानी

वैसे तो मूंगफली का सेवन सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है लेकिन कुछ मामलों में इनके सेवन को लेकर थोड़ी सावधानियां बरतनी भी जरूरी हैं।

एक साथ बहुत ज्यादा मूंगफली का सेवन नहीं करना चाहिए क्योंकि इनमें ऊर्जा ज्यादा होती है।

नमक वाली या तली मूंगफली दिल व बीपी के मरीजों को नहीं खानी चाहिए।

बहुत ज्यादा मूंगफली खाने से शरीर में पित्त की मात्रा ज्यादा हो जाती है।

गर्भावस्था में फायदेमंद

गर्भवती महिलाओं के लिए मूंगफली का सेवन और भी फायदेमंद है। इसमें फोलेट नामक तत्व अच्छी मात्रा में होता है, जो शरीर में कोशिकाओं के विभाजन में मदद करता है। साथ ही फोलेट गर्भ के अंदर शिशु को मस्तिष्क संबंधी समस्याओं से भी दूर रखता है।

हेल्दी हार्ट के लिए

मूंगफली में मोनोसैच्युरेटेड और पॉलिसैच्युरेटेड फैट पाया जाता है, जो हार्ट के लिए जरूरी है। इन दोनों की बैलेंस्ड मात्रा कलेस्ट्रॉल लेवल को कंट्रोल करती है। मूंगफली बैड कलेस्ट्रॉल को कम करके शरीर के लिए जरूरी गुड कलेस्ट्रॉल के प्रॉडक्शन को बढ़ाती है। इससे कई तरह की दिल की बीमारियों से बचा जा सकता है।

स्किन करेगी ग्लो

मूंगफली में ओमेगा-6 फैट भी भरपूर मात्रा में मिलता है, जो स्वस्थ कोशिकाओं और अच्छी त्वचा के लिए जिम्मेदार है। इसलिए मूंगफली स्किन के लिए बेहद फायदेमंद होती है।

रिलेशन

हर टूटते रिलेशनशिप को बचाने में मददगार हैं ये टिप्स

दिनप्रतिदिन बदलते लाइफस्टाइल और एडवांस होते समय में आजकल रिश्तों में दरार आना और रिश्तों का टूटना बहुत ही आम बात हो गई है। वर्किंग होने के चलते और अपनी अपनी जिंदगी में व्यस्त होने के चलते दूरी बढ़ने का एक बड़ा कारण साबित हो रही है हालांकि रिलेशनशिप में अक्सर संबंध बनते और बिगड़ते रहते हैं लेकिन अगर इस बीच आपका पार्टनर आपको इग्नोर कर रहा है तो आपको इस चीज को इग्नोर नहीं करना चाहिए।

जानिए क्या हैं वो टिप्स:

» यह जानने की कोशिश करें कि आपका पार्टनर किस वजह से आपको इग्नोर कर रहा है, ताकि आप अपने रिश्ते को लेकर कोई सही निर्णय ले सकें। ध्यान रखें रिश्तों में एक दूसरे पर भरोसा जताते रहना बहुत जरूरी होता है।

» अक्सर बातचीत करने में कम्यूनिकेशन गैप आ रहा है तो आप बातचीत का सिलसिला जारी रखें। कॉल, चैट, मेल और हर प्रकार से दूर रहकर भी एक दूसरे जुड़े रहें। अपनी बातों से अपने प्यार को जाहिर करते रहें।

» इस बात का ध्यान रखें हमेशा ही फोन कॉल और मैसेज बात को सुलजाने की वजाय बात को और बिगाड़ सकते है। इससे आप अपना रिलेशनशिप हमेशा के लिए खो सकते है, इसीलिए जरुरी बातें आमने सामने होना जरुरी है।

» कभी-कभी आपका पार्टनर किसी बात को लेकर परेशान होता है। इसलिए अकेले समय बिताना पसंद करता है। ऐसे में आप ये न सोंचे कि वह आपको इग्नोर कर रहा है। ऐसे में उनको कुछ समय कुछ समय अकेला रहने दें।

» किसी भी रिश्ते में, सम्मान करना जरुरी है और अगर आप अपने साथी का सम्मान नही करते हैं या उसे नीचे गिराते है, तो याद रखें ये ज्यादा दिन नहीं चलने वाला। यह सबसे महत्वपूर्ण है कि रिश्ते को ठीक से निभाने के लिए एक दूसरे का सम्मान करना बहुत जरुरी है। एक दूसरे लोगो की नजर में गिराना या पब्लिक पैलेस में एक दूसरे का अपमान करना आपके रिश्ते को हमेशा के लिए खत्म कर सकता है।

» आपकी हर कोशिश के बावजूद अगर आपका पार्टनर आपके साथ रिलेशनशिप में नहीं रहना चाहता, तो आप दोनों के लिए यही अच्छा होगा कि आप उसे जाने दें। रिश्ते को बुरी तरह खत्म करने से अच्छा है कि उन्हें तरीके से तोड़ दिया जाए।

बुद्धि बढ़ाने के बेहतरीन तरीके

तकनीक के बढ़ते प्रयोग ने हमारी बुद्धि को अस्वस्थ कर दिया है, छोटी से बड़ी बातों को याद करने के लिए हम पूरी तरह से तकनीकि साधनों पर निर्भर हो रहे हैं। हमने अपने दिमाग का पूरी तरह से प्रयोग करना बंद कर दिया है और इसका सीधा असर याद्दाश्त पर पड़ रहा। तार्किक क्षमताओं और दिमागी उलझने से बचने के कारण याद्दाश्त कमजोर होने लगी है। सामान्य तरीकों को आजमाने से भी याद्दाश्त बढ़ाई जा सकती है।

कुछ नया कीजिए

बुद्धि को बढ़ाने के लिए पारंपरिक तरीकों को छोड़कर कुछ नया आजमाने की कोशिश कीजिए। यह नया तरीका आपकी याद्दाश्त को बढ़ाने में मददगार होगा, क्योंकि जब भी हम नया करने की कोशिश करते हैं वो हमे आसानी से याद हो जाता है। इसके लिए खाने की नई रेसिपी आजमाए, व्यायाम के नये तरीके आजमाए , अपनी सामान्य दिनचर्या को भी थोड़ा मजेदार कीजिए।

नियमित व्यायाम

शरीर को फिट करने के अलावा अगर आप आपनी याद्दाश्त को बढ़ाना चाहते हैं तो व्यायाम को अपनी दिनचर्या में शामिल कीजिए। सप्ताह में कम 5-6 दिन व्यायाम करने से दिमाग की कार्यक्षमता बढ़ती है। व्यायाम करने से दिमाग में भी रक्त संचार अच्छे से होता हो और दिमाग की कोशिकाए भी अधिक सक्रिय हो जाती हैं।

दिमागी कसरत करें

अपने बुद्धि बढ़ाने के लिए दिमागी कसरत जरूर कीजिए। अपने मोबाइल में अपने जरूरी नंबर संरक्षित करने के अलावा कुछ जरूरी नंबर को याद करने की कोशिश कीजिए। एक बार नंबर याद करने के एक सप्ताह बाद इसे दोबारा याद करने की कोशिश कीजिए। इससे बुद्धि बढ़ेगी। कोशिश करें कि याद रखने वाली बातों को कंप्यूटर या मोबाइल में नोट न करें।

उत्सुकता है जरूरी

सभी बातों को सामान्य तरीके से लेने के बजाय उत्सुकता से उन्हें लीजिए। नए विचारों के बारे में जानने के लिए हमेशा उत्सुक रहें, नई जगह जाने का जब भी मौका मिले उसे उत्साह के साथ स्वीकार कीजिए।

सकारात्मक सोच रखें

दिमागी क्षमता बढ़ाने के लिए सकारात्मक सोच होना बहुत जरूरी है। सकारात्मक सोच होने पर तनाव और अवसाद होने की संभावन कम होती है और आपका दिमाग अधिक सक्रिय रहेगा। तनाव के कारण दिमाग की कार्यक्षमता कम होती है, इसलिए तनाव याद्दाश्त का सबसे बड़ा दुश्मन है। इसलिए सकारात्मक सोच रखकर इनसे बचने की कोशिश करें।

स्वस्थ आहार है जरूरी

अन्य चीजों की तरह दिमाग को स्वस्थ रखने के लिए स्वस्थ आहार बहुत जरूरी है। हम जो खाते हैं उसका सबसे ज्यादा असर हमारी दिमागी कार्यक्षमता पर पड़ता है, इसलिए स्वस्थ और पौष्टिक आहार का सेवन कीजिए। खाने में ताजे फल और हरी सब्जियों के साथ ओमेगा-3 फैटी एसिड भी शामिल कीजिए।

भरपूर नींद है जरूरी

भरपूर नींद लेने से कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं से निजात मिल जाती है। भरपूर नींद लेने से दिमाग को आराम मिलता है और इससे दिमाग की कोशिकायें अधिक सक्रिय हो जाती हैं। इसलिए कम से कम 7 से 9 घंटे की नींद जरूर लें।

किताब पढ़ें

किताबें हमारे दिमाग की सबसे अच्छी दोस्त हैं, किताब पढ़ने से दिमागी कसरत होती है और यह बुद्धि बढ़ाने में सहयोग करता है। इसके अलावा कई शोधों में भी यह बात साबित हो चुकी है कि पढ़ने से तनाव और अवसाद भी दूर होता है। किताब पढ़ने से हमारी तार्किक क्षमता के साथ सोचने की क्षमता भी बढ़ती है।

रेसिपी

सोयाबीन मंचूरियन

सामग्री

1 कप सोयाबीन, 4 चम्मच कॉर्न फ्लोर, 2 हरी मिर्च का पेस्ट, 5 चम्मच सोया सॉस, 2 चम्म्च कटा हुआ प्याज, 4 चम्मच हरा प्याज (स्प्रिंग ऑनियन), 1 चम्मच अदरक का लच्छा, 5 कली लहसुन (बारीक कटा), 2 चम्मच टॉमेटो सॉस, 1 शिमला मिर्च, 1 चम्मच सिरका, 1 चम्मच तेल, नमक-स्वादानुसार।

विधि

सोयाबीन को गर्म पानी में भिगो दें। आधे घंटे बाद पानी से निचोड़कर बाहर निकाल लें। एक पैन में सोयाबीन,आधा चम्मच नमक, एक चम्मच हरी मिर्च का पेस्ट और एक चम्मच कॉर्नफ्लोन डालकर मिलाएं और उसे रख दें। एक अन्य पैन में एक चम्मच तेल लेकर उसे गर्म करें और उसमें सोयाबीन भून लें। भूनने के बाद उसे निकाल कर अलग रख दें। उसके बाद उसी पैन में 1 चम्मच तेल गरम करें। उसमें कटा हुआ अदरक, लहसुन, हरी मिर्च का पेस्ट और प्याज डालकर चलाएं। टमाटर सॉस, टी हुई शिमला मिर्च, सिरका और स्वादानुसार नमक मिलाएं और थोड़ी देर धीमी आंच में पकने दें। उसके बाद सोयाबीन भी उसी में डालें और उसे भी मिला दें। पैन में एक कप पानी डालें और उसे मिला दें। उसके बाद जब आपकी ग्रेवी गाढ़ी हो जाए, तो गैस बंद कर दें। मंचूरियन तैयार है। उसमें कटे हुए हरे प्याज छिड़क दें और गर्मागर्म फाइड राइस के साथ परोसें।

अफगान खजूर

सामग्री

अंडे: 4, पिसी हुई **चीनी**: 130 ग्राम
तेल: 125 मिलीलीटर, **खमीर**: 1 बड़ा चम्मच
बेकिंग पाऊडर: 1 छोटा चम्मच
मैदा: 580 ग्राम, **गर्म दूध**: 125 मिलीलीटर
तेल: तलने के लिए, **पिसी हुई चीनी**: गार्निशिंग के लिए
पिस्ता: गार्निशिंग के लिए

विधि

एक बाउल में 4 अंडे, 130 ग्राम पिसी हुई चीनी, 125 मिलीलीटर तेल, 1 बड़ा चम्मच खमीर, 1 छोटा चम्मच बेकिंग पाऊडर डालकर अच्छी तरह से मिलाए। फिर इसमें 580 ग्राम मैदा, 125 मिलीलीटर गर्म दूध डालकर स्मूथ और सॉफ्ट आटा गूंथ लें। इस आटे को 3-4 घंटे के लिए रख दें। एक कढ़ाई में पर्याप्त तेल डालकर गर्म करें और हाथ से सारे आटे की छोटी-छोटी लोईयां बना लें। इन्हें तेल में डालकर तब तक फाई करें, जब तक कि यह सुनहरे भूरे नहीं हो जाते। इसके बाद इन्हें अब्सॉर्बेंट पेपर पर निकाल लें। इन्हें पिसी हुई चीनी और पिस्ता के साथ गार्निश करें। आपके अफगान खजूर तैयार हैं, इन्हें सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**